TOP SELLING PGT PRACTICE SETS

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा
चयन बोर्ड द्वारा आयोजित

PGT

प्रवक्ता चयन परीक्षा

Most Updated Book!
UP PGT के सभी नवीनतम पेपर्स इस पुस्तक में शामिल हैं।

अर्थशास्त्र

15 सॉल्व्ड प्रैक्टिस सेट्स
एवं 04 सॉल्व्ड पेपर्स
(2021, 2019, 2016, 2013)

Code	Price	Pages
CB986	₹ 259	298

विषय-सूची

Student's Corner

पृष्ठ संख्या

⊙ **Agrawal Examcart Help Centre** — **iv**

⊙ **Best Strategy परीक्षा की तैयारी करने का सही तरीका!** — **v**

⊙ **Current Affairs! की 100% सटीक तैयारी कैसे करें ?** — **vi**

⊙ **Student's Corner** — **vii**

⊙ **प्रवक्ता चयन परीक्षा पाठ्यक्रम** — **viii**

सॉल्व्ड पेपर्स

☆ **प्रवक्ता चयन परीक्षा–2021 अर्थशास्त्र हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि: 18 अगस्त, 2021)** — **1-21**

☆ **प्रवक्ता चयन परीक्षा–2016 अर्थशास्त्र हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि: 2 फरवरी, 2019)** — **1-16**

☆ **प्रवक्ता चयन परीक्षा–2013 अर्थशास्त्र हल प्रश्न-पत्र** — **17-27**

☆ **प्रवक्ता चयन परीक्षा–2011 अर्थशास्त्र हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि: 16 जून, 2016)** — **28-42**

प्रैक्टिस सेट्स

➢ **प्रैक्टिस सेट–1** — **43-58**

➢ **प्रैक्टिस सेट–2** — **59-75**

➢ **प्रैक्टिस सेट–3** — **76-92**

➢ **प्रैक्टिस सेट–4** — **93-107**

➢ **प्रैक्टिस सेट–5** — **108-123**

➢ **प्रैक्टिस सेट–6** — **124-140**

➢ **प्रैक्टिस सेट–7** — **141-157**

➢ **प्रैक्टिस सेट–8** — **158-173**

➢ **प्रैक्टिस सेट–9** — **174-188**

➢ **प्रैक्टिस सेट–10** — **189-204**

➢ **प्रैक्टिस सेट–11** — **205-217**

➢ **प्रैक्टिस सेट–12** — **218-234**

➢ **प्रैक्टिस सेट–13** — **235-249**

➢ **प्रैक्टिस सेट–14** — **250-262**

➢ **प्रैक्टिस सेट–15** — **263-275**

प्रवक्ता चयन परीक्षा–2021

अर्थशास्त्र

हल प्रश्न-पत्र

परीक्षा तिथि : 18-08-2021

1. बहुलक का अनुमान लगाइए यदि समान्तर माध्य और माध्यिका क्रमशः 12 तथा 14 हैं।
Find out an estimate of mode, if mean and median are 12 and 14.
(A) 16 (B) 18
(C) 14 (D) 20

1. (B) बहुलक = 3 × माध्यिका
– 2 × समान्तर माध्य
= 3 × 14 – 2 × 12
= 42 – 24
= 18

2. सैम्युलसन व्यापार चक्र मॉडल में निम्नलिखित में से किस स्थिति में नियमित व्यापार चक्र प्राप्त होंगे ?
In which of the following situations in Samuelson business cycle model regular business cycle will be obtained ?
(A) $\alpha = 0.5, \beta = 1$ (B) $\alpha = 0.5, \beta = 2$
(C) $\alpha = 0.6, \beta = 2$ (D) $\alpha = 0.6, \beta = 4$

2. (B)
- सैम्युलसन व्यापार चक्र मॉडल में $\alpha = 0.5$ तथा $\beta = 2$ स्थित में, नियमित व्यापार चक्र प्राप्त होता है।
- सैम्युलसन ने व्यापार चक्र मॉडल का प्रतिपादन किया है।
- इनके अनुसार, व्यापार चक्र की पूर्ण व्याख्या गुणक तथा त्वरक की अंतर्क्रियाओं द्वारा ही की जा सकती है।
- इनके अनुसार वर्तमान समय की आय उपभोग व्यय प्रेरित निवेश व्यय और सरकारी व्यय का परिणाम है।
- यह कल्पना पूँजी स्टॉक में हुई वृद्धि निवेश मात्रा को बढ़ाती है।

3. कोई देश अपने भुगतान संतुलन में उन्मूलन के द्वारा सुधार ला सकता है जब उस देश की निर्यातों और आयातों में माँग की लोच होती है।
A country can improve its balance of payments by elimination when the country has elasticity of demand for its exports and imports.
(A) इकाई से अधिक/Greater than unit
(B) इकाई के बराबर/Equal to unit
(C) इकाई से कम/Less than unit
(D) शून्य/Zero

3. (A)
- कोई देश अपने भुगतान सन्तुलन उन्मूलन के द्वारा सुधार ला सकता है जब उस देश की निर्यातों और आयातों की माँग की लोच इकाई से अधिक होती है।
- माँग की लोच का अर्थ है कि आर्थिक चरों में बदलाव आने से माँग में आने वाला बदलाव है।
- भेदात्मक एकाधिकार बाजार में कीमत विभेद माँग की लोच पर निर्भर करती है।
- वस्तु की कीमत बढ़ने पर उसकी माँग घटती है तथा वस्तु की कीमत कम होने पर उसकी माँग बढ़ती है।
- माँग का नियम एक गुणात्मक कथन है। माँग का सिद्धान्त अल्फ्रेड मार्शल ने दिया था।

4. मौद्रिक नीति का कौन-सा उद्देश्य नहीं है?
Which of these objective monetary policy ?
(A) मुद्रा की तटस्थता/Neutrality of money
(B) मूल्य स्थिरता/Price stability
(C) विनिमय दर स्थिरता/Exchange rate stability
(D) गतिशील संसाधन/Dynamic Resource

4. (D)
- गतिशील संसाधन मौद्रिक नीति का उद्देश्य नहीं है।
- भारत में मौद्रिक संरचना को रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (R.B.I.) नियन्त्रित करती है।
- मौद्रिक नीति वह संरचना है जिसके द्वारा केन्द्रीय बैंक ब्याज दरों पर नियंत्रण कर अर्थव्यवस्था में मुद्रा के प्रवाह को नियंत्रित करता है।
- मौद्रिक नीति समिति के छह सदस्य होते हैं जिनमें तीन सदस्य RBI से होते हैं तथा अन्य तीन सदस्यों की नियुक्ति केन्द्रीय बैंक द्वारा की जाती है।
- यदि तकनीकी तथा उत्पादन प्रणाली आदि में विकास के परिणामस्वरूप उत्पादन बढ़ता है तथा कीमत में गिरावट आती है तब इसको तटस्थ मुद्रा नीति कहते हैं।

5. भूमि सुधार का प्रमुख उद्देश्य था।
The main object of land reform.
(A) भूमि की उर्वरता में सुधार करना/To improve of land
(B) भूमि का पुनर्वितरण/Redistribution of land
(C) भूमि का अधिग्रहण/Acquisition of land
(D) भूमि की सिंचाई/Irrigation of land

5. (B)
- भूमि सुधार का प्रमुख उद्देश्य भूमि का पुनर्वितरण है।
- भूमि सुधार के अन्तर्गत भूमि से संबंधित कानूनों तथा प्रथाओं में परिवर्तन आते हैं।
- इसमें मुख्यतः कृषि भूमि के पुनर्वितरण पर बल दिया जाता है।
- भारत में भूमि सुधार का उद्देश्य भूमि के माध्यम से कृषि उत्पादकता को बढ़ाना एवं सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करना है।
- भू-व्यवस्था के अंतर्गत होने वाले सभी प्रकार के शोषण व सामाजिक अन्याय को समाप्त करना।
- भूमि सुधार अधिनियम 14 जनवरी 1950 को पारित हुआ था।

6. अर्थशास्त्र के अध्ययन की आगमन रीति का श्रेय किसे दिया जाता है?
Who is responsible for inductive method of studying economics ?
(A) ऑस्ट्रियाई विचारधारा/Austrian School
(B) जर्मनी की ऐतिहासिक विचारधारा/German Historical School
(C) प्रतिष्ठित विचारधारा/Classical School
(D) रूसी विचारधारा/Russian School

6. (B)
- अर्थशास्त्र के अध्ययन की आगमन रीति का श्रेय जर्मनी की ऐतिहासिक विचार धारा को दिया जाता है।
- अर्थशास्त्र विज्ञान की वह शाखा है जिसके अन्तर्गत वस्तुओं व सेवाओं के उत्पादन के विनिमय, वितरण एवं उपभोग का अध्ययन किया जाता है।

• अर्थशास्त्र का जनक एडम स्मिथ को माना जाता है।

• इनकी विचारधारा के अनुसार अर्थशास्त्र को 'धन का विज्ञान' कहा गया है।

7. फिलिप्स वक्र विश्लेषण के अनुसार, स्फीति की समस्या को हल करते हैं, तो
According to the Phillips curve analysis, the way to solve inflation is to

(A) बेरोजगारी बढ़ जाती है या उत्पादकता बढ़ जाती है/Increase unemployment or increase productivity

(B) बेरोजगारी बढ़ जाती है या उत्पादकता घट जाती है/Increase unemployment or decrease productivity

(C) बेरोजगारी घट जाती है या मुद्रा पूर्ति बढ़ जाती है/Decrease unemployment or increase money supply

(D) बेरोजगारी बढ़ जाती है या मुद्रा पूर्ति बढ़ जाती है/Increase unemployment or increase the money supply

7. (B) • फिलिप्स वक्र विश्लेषण के अनुसार, स्फीति की समस्या को हल करते हैं तो बेरोजगारी बढ़ जाती है या उत्पादकता घट जाती है।

• फिलिप्स वक्र यह बताता है कि मुद्रा प्रसार एवं बेरोजगारी के मध्य सदैव विपरीत सम्बन्ध रहता है।

• फिलिप्स वक्र का प्रयोग रोजगार उत्पन्न और मुद्रा स्फीति से निपटने के लिए मौद्रिक नीति की योजना बनाने के लिए किया जाता है।

• जब माँग और आपूर्ति में असंतुलन पैदा होता है तो वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ जाती हैं। कीमतों की इस वृद्धि को मुद्रास्फीति कहते हैं।

• जब व्यक्ति प्रचलित मजदूरी की दर पर काम करने को राजी होता है, तो उसे बेरोजगारी कहते हैं।

8. इनमें से किस प्रधानमंत्री द्वारा किसान कॉल सेन्टर की स्थापना की गयी थी?
The founder of KCC among the following Prime Minister in India :

(A) श्री नरसिम्हा राव/Sri Narsimha Rao

(B) श्री इन्द्र कुमार गुजराल/Sri Indra Kumar Gujral

(C) श्री अटल बिहारी वाजपेई/Sri Atal Bihari Vajpayee

(D) श्री मनमोहन सिंह/Sri Manmohan Singh

8. (C) • श्री अटल बिहारी वाजपेई द्वारा किसान कॉल सेन्टर की स्थापना की गई थी।

• भारत में 21 जनवरी, 2004 में किसान कॉल सेन्टर की स्थापना की गई।

• भारत में सर्वप्रथम मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में किसान कॉल सेन्टर की स्थापना की गई।

• इन कॉल सेन्टर का मुख्य उद्देश्य किसानों की समस्याओं का उचित निदान करना तथा क्षेत्रीय भाषा में उपलब्ध कराना है।

• किसान कॉल सेन्टरों की स्थापना का श्रेय तत्कालीन कृषि मन्त्री श्री राजनाथ सिंह को जाता है।

• अटल बिहारी वाजपेई भारत के तीन बार प्रधानमंत्री बने थे।

9. अदृश्य बेरोजगारी किस क्षेत्र में पायी जाती है?
In which sector disguised unemployment found ?

(A) बैंकिंग क्षेत्र/Banking sector

(B) सेवा क्षेत्र/Service sector

(C) कृषि क्षेत्र/Agriculture sector

(D) उद्योग क्षेत्र/Industrial sector

9. (C) • अदृश्य बेरोजगारी कृषि के क्षेत्र में पाई जाती है।

• अदृश्य बेरोजगारी ऐसी बेरोजगारी है जिसमें व्यक्ति किसी–न–किसी कार्य को तो कर रहा होता है लेकिन वह उससे अच्छे कार्य ढूँढ़ता या तलाशता है।

• किसी व्यक्ति द्वारा काम करने की इच्छा होना और उसे कोई काम न मिलना बेरोजगारी कहलाती है।

• बेरोजगारी दो प्रकार की होती है –
शहरी बेरोजगारी
ग्रामीण बेरोजगारी

• दैनिक स्थिति बेरोजगारी, बेरोजगारी का सबसे व्यापक मान है।

10. कीमत–विभेद केवल तभी सम्भव है जब
Price discrimination is possible only when

(A) विक्रेता अकेला है/Seller is alone

(B) वस्तुएँ समरूप हैं/Goods are homogenous

(C) बाजार सरकार के द्वारा नियन्त्रित है/Market is controlled by the Government

(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

10. (A) • कीमत – विभेद केवल तभी सम्भव है जब विक्रेता अकेला हो।

• जब किसी वस्तु को एक से अधिक कीमत पर बेचा जाता है तब वह स्थिति कीमत विभेद स्थिति कहलाती है।

• कीमत विभेद मुख्यतः चार प्रकार का होता है –
व्यक्तिगत, भौगोलिक
उपयोग, समयानुसार

• कीमत विभेद की व्याख्या प्रो स्टिंगलर द्वारा की गई है।

• कीमत की दो मुख्य शर्तें हैं –
बाजारों को पृथक् रखा जाये।
बाजारों में माँग की लोच एकसमान नहीं होनी चाहिए।

11. यदि उपभोक्ता का उपयोगिता फलन $U = X_1X_2$ है और बजट प्रतिबंध $M = P_1X_1 + P_2X_2$ है, तो संतुलन स्तर पर, X_1 के लिए माँग फलन होगा–
If the consumption function of consumer is $U = X_1X_2$ and budget constraint is $M = P_1X_1 + P_2X_2$ at the equilibrium level, the demand function for X_1 will be :

(A) $\frac{M}{2P_1}$ (B) $\frac{-M}{2P_1^2}$

(C) $\frac{M}{2P_1^2}$ (D) $\frac{-M}{2P_1}$

11. (C) कोई भी उपभोक्ता अपने लिये उपलब्ध संयोगों में से अपने उपयोग संयोगों का चयन अपनी रुचि तथा अधिकमान के अनुसार तथा अपने बजट सैट के आधार पर करता है। इसलिए यदि उपभोक्ता का उपयोगिता फलन $U = X_1X_2$ है और बजट प्रतिबन्ध $M = P_1X_1 + P_2X_2$ है तो सन्तुलन का स्तर पर X_1 के लिए माँग फलन $\frac{M}{2P_1}$ होगा।

12. जनांकिकीय संक्रमण का अभिप्राय है–
Demographic transition means :

(A) कम जन्म दर और उच्च आयु मृत्यु दर की स्थिति से उच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु दर की स्थिति की ओर बढ़ना/Shift from condition of low birth and high death rates of high birth rate and high death rates

(B) उच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु दर की स्थिति से कम जन्म दर और कम मृत्यु दर की स्थिति की ओर बढ़ना/Shift from the condition of high birth and high death rates to low birth and low death rates

(C) उच्च मृत्यु दर और कम जन्म दर की स्थिति से उच्च मृत्यु दर और उच्च जन्म दर की स्थिति की ओर बढ़ना/Shift from the condition of high death and low birth rates to high death and high birth rates

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं/None of the above

12. (B) • उच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु दर की स्थिति से कम जन्म दर और कम मृत्यु दर की स्थिति की ओर बढ़ना जनांकिकीय संक्रमण का अभिप्राय है।
- यह संक्रमण सिद्धान्त एक जनसंख्या सिद्धांत है।
- इस सिद्धांत के प्रतिपादक डब्ल्यू. एम. थोम्पसन और फ्रैंक डब्ल्यू नोएस्टीन हैं।
- इन्होंने यह सिद्धांत यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के जन्म मृत्यु दर पर दिया था।
- इस सिद्धांत की मुख्यतः पाँच अवस्थायें हैं।

13. त्वरक गुणांक व्यक्त किया जा सकता है, किस रूप में–

The accelerator coefficient may be expressed as :

(A) $\frac{\Delta Y}{\Delta C}$ (B) $\frac{\Delta Y}{\Delta I}$

(C) $\frac{\Delta C}{\Delta I}$ (D) $\frac{\Delta I}{\Delta C}$

13. (D) • त्वरक गुणांक $\frac{\Delta I}{\Delta C}$ के रूप में व्यक्त किया जा सकता है।
- त्वरक पूँजी में होने वाले परिवर्तित तथा आय में होने वाले परिवर्तन का अनुपात होता है।
- त्वरक गुणांक का प्रतिपादन अमेरिकी अर्थशास्त्री जे. एम. क्लार्क के द्वारा दिया गया।
- त्वरक की धारणा का विकास सन् 1914 में तथा निवेश गुणक की धारणा 1936 के बाद दी गई थी।
- त्वरक सिद्धांत के अनुसार बढ़ी हुई माँग स्थायी हो जाती है।

14. इनमें से कौन–सा सन्तुलन का एक प्रकार नहीं है ?

Which of them is not a type of equilibrium ?

(A) सम्भावित/Probable

(B) स्थिर/Stable

(C) अस्थिर/Unstable

(D) तटस्थ/Neutral

14. (A) • सम्भावित स्थिति सन्तुलन का एक प्रकार नहीं है।
- सन्तुलन वह स्थिति है जब दो या अधिक परस्पर विरोधी वस्तुएँ या बलों के होने पर भी सन्तुलन की व्याख्या हो।
- यह सिद्धांत फ्रिट्ज हीडर द्वारा प्रस्तावित किया गया था।
- सन्तुलन दो प्रकार का होता है– स्थिर संतुलन, गतिशील संतुलन

15. "तटस्थ मुद्रा" शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया ?

Who has first used the term "Neutral of Money" ?

(A) राबर्टसन्/Robertson

(B) हेयक/Hayek

(C) विकस्टीड/Wiksted

(D) फ्रीडमैन/Friedman

15. (B) • तटस्थ मुद्रा शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग हेयक नामक अर्थशास्त्री द्वारा किया गया था।
- तटस्थ मुद्रा नीति के अनुसार, यदि तकनीकी तथा उत्पादन प्रणाली आदि में विकास के परिणास्वरूप उत्पादन बढ़ता है तथा कीमत में गिरावट आती है।
- तटस्थ मुद्रा नीति से समाज के सभी वर्गों को औद्योगिक प्रगति का लाभ मिलता है।
- तटस्थ मुद्रा का संबंध मौद्रिक नीति से समझा जा सकता है।

16. किस अर्थशास्त्री का विचार था कि बैंक दर में परिवर्तन ब्याज की अल्पकालीन दरों तथा कार्यशील पूँजी के माध्यम से अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालते हैं ?

Who among the following economist proposed the idea that changes in bank rate impact on the economy through short-terms rates of interest and working capital ?

(A) कीन्स/Keynes

(B) डी काक/De Kock

(C) हाट्रे/Hawtrey

(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

16. (C) • हाट्रे नामक अर्थशास्त्री का विचार था कि बैंक दर में परिवर्तन ब्याज की अल्पकालीन दरों तथा कार्यशील पूँजी के माध्यम से अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालते हैं।
- जॉन मेनार्ड कीन्स ने अपने रोजगार सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था।
- कीन्स के अनुसार मंदी या अवसाद की स्थिति में बेरोजगारी अर्थव्यवस्था में समस्त माँग की कमी के कारण होती है।
- बैंक दर एक प्रकार का ब्याज दर होती है जिसे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वाणिज्य बैंकों पर आरोपित किया जाता है।
- पूँजी एक वह धनराशि है जिससे कोई व्यापार चलाया जाता है।
- अल्पकालीन ब्याज दर जिन पर वित्तीय संस्थानों के बीच अल्पकालिक उधार लिया जाता है।

17. फिलिप्स वक्र किन के बीच सम्बन्ध स्थापित करता है ?

Phillips curve sets up a relationship between ?

(A) मजदूरी एवं श्रम आपूर्ति/Wages and labour supply

(B) मुद्रा स्फीति एवं बेरोजगारी/Inflation and unemployment

(C) कीमत एवं माँग/Price and demand

(D) समग्र आपूर्ति एवं समग्र माँग/Aggregate supply and aggregate demand

17. (B) • फिलिप्स वक्र मुद्रा स्फीति तथा बेरोजगारी के बीच वक्र स्थापित करता है।
- इस वक्र के अनुसार, स्फीति की समस्या को हल करते हैं तो बेरोजगारी बढ़ जाती है।
- फिलिप्स वक्र यह बताता है कि मुद्रा प्रसार एवं बेरोजगारी के मध्य सदैव विपरीत सम्बन्ध रहता है।
- फिलिप्स वक्र का प्रयोग रोजगार उत्पन्न और मुद्रास्फीति से निपटने के लिए मौद्रिक नीति की योजना बनाने के लिए किया जाता है।
- जब माँग और आपूर्ति से असंतुलन पैदा होता है तो वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ती हैं।

18. एक माँग वक्र के विभिन्न बिन्दुओं पर माँग की लोच –

Elasticity of demand on different point of a demand curve is :

(A) समान होती है/Equal

(B) शून्य होती है/Zero

(C) अनन्त होती है/Infinite

(D) अलग–अलग होती है/Different

18. (D) • एक माँग वक्र के विभिन्न बिन्दुओं पर माँग की लोच अलग–अलग होती है।
- जब माँग को किसी रेखाचित्र पर प्रदर्शित करते हैं, तब माँग वक्र बनता है।
- माँग के नियम के अनुसार, जब किसी वस्तु की कीमत का गिरता माँग को बढ़ा देता है तथा माँग की कीमत का उठना माँग को कम कर देता है।

- माँग का नियम किसी निर्धारित वस्तु के दाम एवं उसकी मात्रा के विपरीत संबंध को प्रदर्शित करता है।
- अर्थशास्त्र में माँग किसी माल या सेवा की वह मात्रा होती है जिसे उस माल को उपभोक्ता भिन्न कीमतों पर खरीदने को तैयार हो।

19. परिमाणात्मक साख नियन्त्रण का एक उपाय है–
One of the instrument of quantitative credit control is :
(A) नैतिक दबाव/Moral pressure
(B) उपभोक्ता साख का नियमन/Regulation of consumer's credit
(C) प्रचार/Publicity
(D) बैंक–दर/Bank-rate

19. (D)
- बैंक दर एक परिमाणात्मक साख नियन्त्रण का एक उपाय है।
- यह साख नियन्त्रण का वह साधन है जो बैंक के नकद कोषों पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालता है।
- इस विधि के अनुसार जब केन्द्रीय बैंक साख की मात्रा में कमी करना चाहता है तो वह बैंक दर में कमी कर देता है।
- बैंक दर वह दर होती है जिस पर व्यापारिक बैंक केन्द्रीय बैंक से ऋण प्राप्त करते हैं।
- बैंक दर भिन्न–भिन्न बैंक पर भिन्न–भिन्न लगती हैं।
- परिमाणात्मक साख नियंत्रण तीन रूप में होती हैं –
  बैंक दर
  खुले बाजार की क्रियाएँ
  परिवर्तनीय कोष अनुपात

20. भारत में ऊर्जा उत्पादन में सर्वाधिक अंश है–
In India the highest share in power generation is from :
(A) जल ऊर्जा/Hydel power
(B) ताप ऊर्जा/Thermal power
(C) सौर ऊर्जा/Solar power
(D) परमाणु ऊर्जा/Atomic power

20. (B)
- भारत में ऊर्जा उत्पादन में सर्वाधिक अंश तापीय ऊर्जा का है।
- सौर, पवन और बायोमास आदि से भी ऊर्जा उत्पादन होता है।
- ताप ऊर्जा ऊष्मीय ऊर्जा का एक रूप है।
- किसी पदार्थ के गर्म या ठंडे होने के कारण उत्पन्न ऊर्जा ऊष्मीय ऊर्जा कहलाती है।
- तापीय ऊर्जा संयंत्र, जीवाश्म ईंधन में स्थित रासायनिक ऊर्जा को क्रमशः तापीय ऊर्जा, यांत्रिक ऊर्जा तथा विद्युत् ऊर्जा में परिवर्तित करता है।

21. परिवर्तनशील अनुपातों का नियम अस्तित्व में आता है जब –
The law of variable proportions comes into being when :
(A) केवल दो परिवर्तनशील साधन हों/There are only two variable factors
(B) एक स्थिर साधन और एक परिवर्तनशील साधन हो/There is a fixed factor and a variable factor
(C) सभी साधन परिवर्तनशील हो/All factors are variable
(D) परिवर्तनशील साधन कम उपज देते हों/Variable factors yield less

21. (B)
- परिवर्तनशील अनुपात का नियम एक स्थिर और परिवर्तनशील साधन है।
- परिवर्तनशील अनुपात का नियम अल्पकाल से संबंधित है।
- अल्पकाल में अन्य साधनों की मात्रा को स्थिर रखकर जब किसी एक साधन की माात्रा में वृद्धि की जाती है।
- इस उत्पादन में तीन अवस्थाएँ प्राप्त होती हैं।
- प्रथम अवस्था में सीमांत उत्पादन तेजी से बढ़ता है।
- दूसरी अवस्था को उत्पत्ति स्थिर नियम कहा जाता है।
- तीसरी अवस्था को उत्पत्ति ह्रास नियम कहा जाता है।

22. उपयोगिता विश्लेषण में वह स्थिति जो उपभोक्ता सन्तुलन को दर्शाती है–
The condition which shows consumer equilibrium in utility analysis :
(A) $\frac{MU_x}{P_x} \times \frac{MU_y}{P_y}$ (B) $\frac{MU_x}{P_x} \div \frac{MU_y}{P_y}$
(C) $\frac{MU_x}{MU_y} \times \frac{P_x}{P_y}$ (D) $\frac{MU_x}{MU_y} = \frac{P_x}{P_y}$

22. (D)
- $\frac{MU_x}{MU_y} = \frac{P_x}{P_y}$ उपयोगिता विश्लेषण में वह स्थिति है जो उपभोक्ता सन्तुलन को दर्शाती है।
- सन्तुलन वह स्थिति है जब दो या दो से अधिक परस्पर विरोधी वस्तुएँ या बलों के होने पर भी सन्तुलन की व्याख्या हो।
- सन्तुलन दो प्रकार का होता है –
  स्थिर संतुलन
  गतिशील संतुलन
- आवश्यकता को संतुष्ट करने की शक्ति को उपयोगिता कहते हैं।
- उपयोगिता, किसी वस्तु की उपयोगिता प्रत्येक व्यक्ति के लिए समान नहीं होती है।

23. OPEC तेल निर्यात पर नियन्त्रण रखता है–
OPEC controls oil export through :
(A) कार्टेल के द्वारा/Cartel
(B) राशिपातन द्वारा/Dumping
(C) एकाधिकार के द्वारा/Monopoly
(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

23. (A)
- OPEC कार्टेल के द्वारा तेल निर्यात पर नियन्त्रण रखता है।
- OPEC का पूरा नाम आर्गेनाइजेशनंस ऑफ पैट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज है।
- OPEC का मुख्यालय ऑस्ट्रिया के वियना शहर में है।
- OPEC की स्थापना 10 सितम्बर 1960 को बगदाद सम्मेलन में की गई थी।

24. सार्वजनिक व्यय में वृद्धि के परिणामस्वरूप –
As a result of increase in public expenditure :
(A) फिलिप्स वक्र दाहिनी तरफ प्रतिस्थापित होता है/Phillips curve shifts to the right
(B) फिलिप्स वक्र बायीं तरफ प्रतिस्थापित होता है/Phillips curve shifts to the left
(C) फिलिप्स वक्र का संचलन इस प्रकार होता है कि बेरोजगारी बढ़ती है और मुद्रास्फीति गिरती है/Movement of Phillips curve is such that unemployment increases and inflation is reduced
(D) फिलिप्स वक्र का संचलन इस प्रकार होता है कि बेरोजगारी गिरती है और मुद्रास्फीति बढ़ती है/Movement of Phillips curve is such that unemployment reduces and inflation is increased

24. (D)
- सार्वजनिक व्यय में वृद्धि के परिणाम–स्वरूप फिलिप्स वक्र का संचालन इस प्रकार होता है कि बेरोजगारी गिरती है और मुद्रास्फीति बढ़ती है।
- सार्वजनिक व्यय का अर्थ यह है कि जब कोई देश सभी खर्चों को अपने प्रशासन, सामाजिक कल्याण तथा अन्य देशों की सहायता के लिए करता है।
- सार्वजनिक व्यय का मुख्य उद्देश्य उत्पादन को प्रोत्साहित करना है।

- सार्वजनिक व्यय को इस तरह व्यवस्थित करना चाहिए कि देश में धन उत्पादन या वितरण पर इसका प्रतिकूल प्रभाव न हो।
- फिलिप्स वक्र यह बताता है कि मुद्रा प्रसार एवं बेरोजगारी के मध्य सदैव विपरीत संबंध रहता है।

25. निम्न में से कौन-सा एक युग्म प्रत्यक्ष कर है ?
Which of the following is a combination of direct tax ?
(A) उत्पाद शुल्क और सम्पत्ति कर/Excise duty and wealth tax
(B) सेवा कर और आय कर/Service tax and income tax
(C) सम्पत्ति कर और आय कर/Wealth tax and income tax
(D) उत्पाद शुल्क और सेवा कर/Excise duty and service tax

25. (C)
- सम्पत्ति कर और आय कर एक युग्म प्रत्यक्ष कर है।
- जब किसी कर का कराघात और करों का भार एक ही व्यक्ति पर पड़ता है तो वह प्रत्यक्ष कर कहलाता है।
- प्रत्यक्ष कर की मुख्य समस्या कर की चोरी है।
- जब कोई व्यक्ति अपनी सम्पत्ति के मूल्य के अनुसार कर राशि अदा करता है तो उसे सम्पत्ति कर कहते हैं।
- वह कर जो एक व्यक्ति द्वारा उसकी आय पर लगाया जाता है आयकर कहलाता है।
- कर दो प्रकार का होता है –प्रत्यक्ष कर व अप्रत्यक्ष कर।

26. माँग की आड़ी कीमत लोच होती है।
The cross price elasticity of demand is equal to :
(A) $\frac{\Delta Q}{\Delta P}.\frac{P}{Q}$ (B) $\frac{\Delta Q_1}{\Delta P_2}.\frac{P_2}{Q_1}$
(C) $\frac{\Delta Q_1}{Q_2}.\frac{P_2}{\Delta P_1}$ (D) $\left(\frac{Q_1+Q_2}{P_1+P_2}\right).\frac{P_1}{P_2}$

26. (B)
- $\frac{\Delta Q_1}{\Delta P_2}.\frac{P_2}{Q_1}$ माँग की आड़ी कीमत लोच होती है।
- अर्थशास्त्र में माँग की आड़ी लोच मात्रा की जवाबदेही को मापता है।
- इसका उपयोग स्थानापन्न वस्तुओं को परिभाषित करने के लिए किया जाता है।
- किसी वस्तु की माँग में आने वाले बदलाव को माँग की लोच कहते हैं।
- माँग की लोच की गणना,
माँग की कीमत लोच
$= \frac{\text{माँग की मात्रा में आनुपातिक परिवर्तन}}{\text{मूल्य में आनुपातिक परिवर्तन}}$

27. किस बाजार में फर्म की सीमान्त आय (MR) कीमत के बराबर होती है ?
In which market firm's Marginal Revenue (MR) is equal to price ?
(A) एकाधिकार/Monopoly
(B) अल्पाधिकार/Oligopoly
(C) एकाधिकृत प्रतियोगिता/Monopolistic competition
(D) पूर्ण प्रतियोगिता/Perfect competition

27. (D)
- पूर्ण प्रतियोगिता बाजार में फर्म की सीमान्त आय कीमत के बराबर होती है।
- पूर्ण प्रतियोगिता बाजार की वह स्थिति है जिसकी विशेषता समरूप उत्पाद है।
- इस प्रतियोगिता की मुख्य शर्त यह होती है कि क्रेताओं और विक्रेताओं की संख्या बहुत अधिक होनी चाहिए।
- पूर्ण प्रतियोगिता में वस्तु की कीमत का निर्धारण माँग और पूर्ति की सापेक्षिक क्रियाओं के द्वारा होता है।
- एकाधिकार बाजार में एक विक्रेता होता है जिसका वस्तु की पूर्ति पर सम्पूर्ण अधिकार होता है।

28. NABARD किसकी सिफारिशों के आधार पर गठित किया गया ?
NABARD was established on the recommendations of ?
(A) लोक लेखा समिति/Public Accounts Committee
(B) नरसिंहम समिति/Narasimhan Committee
(C) शिवरामन समिति/Shivaraman Committee
(D) चेलैय्या समिति/Chelaiyah Committee

28. (C)
- NABARD की स्थापना शिवरामन समिति के आधार पर की गई।
- NABARD का पूरा नाम "नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एण्ड रूरल डेवलपमेन्ट" है।
- NABARD एक BANK है जो ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए है।
- NABARD की स्थापना 12 जुलाई, 1982 को की गई।
- इसका मुख्यालय महाराष्ट्र के मुम्बई में स्थित है।
- लोक सेवा समिति की स्थापना 1921 में भारत सरकार द्वारा की गई।
- भारत में सन् 1991 में बैंकिंग के आर्थिक संकट के समय नरसिंहम समिति का गठन हुआ था।
- चेलैय्या समिति की शुरुआत 1976 में योजना आयोग के समक्ष लोक वित्त तकनीक, अनुसंधान और सुधार के लिए राजा येसुदास चेलेया द्वारा की गई।

29. कीन्स सबसे अधिक सम्बद्ध हैं –
Keynes was most concerned with :
(A) माँग जनित स्फीति/Demand-pull inflation
(B) लागत प्रेरित स्फीति/Cost push inflation
(C) संरचनात्मक स्फीति/Structural inflation
(D) निस्पंद स्फीति/Stagflation

29. (A)
- कीन्स का सबसे अधिक सम्बन्ध माँग जनित स्फीति से है।
- कीन्स के अनुसार, मंदी या अवसाद की स्थिति में बेरोजगारी अर्थव्यवस्था में समग्र माँग की कमी के कारण होती है।
- जे. एम. कीन्स ने रोजगार सिद्धांत का भी प्रतिपादन किया है।
- लागत प्रेरित स्फीति का मुख्य कारण लागत में वृद्धि है।
- माँग का नियम उपभोक्ता की प्राथमिकता पर आधारित है।
- वस्तु एवं सेवाओं की कीमत स्तर पर लगातार होने वाली वृद्धि को मुद्रास्फीति कहते हैं।

30. भारत में 'नीति आयोग' का गठन कब हुआ ?
When was 'Niti Aayog' formulated in India ?
(A) 2013 (B) 2014
(C) 2015 (D) 2016

30. (C)
- भारत में नीति आयोग का गठन सन् 2015 में हुआ था।
- नीति आयोग का गठन भारत सरकार द्वारा किया गया है।
- नीति आयोग का मुख्यालय नई दिल्ली तथा इसके अध्यक्ष नरेन्द्र मोदी जी हैं।
- NITI आयोग का पूरा नाम नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया है।
- नीति आयोग का काम सरकार की योजनाओं को बल प्रदान करना है।
- वर्तमान में नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष अमिताभ कांत हैं।

31. एशियन विकास बैंक का मुख्यालय है –
The headquarter of Asian Development Bank is at :
(A) सिंगापुर/Singapore
(B) मनीला/Manila
(C) हांगकांग/HongKong
(D) टोकियो/Tokyo

31. (B)
- एशियन विकास बैंक का मुख्यालय मनीला फिलीपीन्स में है।
- एशियन विकास बैंक की स्थापना 19 दिसम्बर 1966 को की गई
- इसका उद्देश्य एशियाई देशों के आर्थिक विकास के सुगमीकरण के लिए कार्य करना है।
- इस बैंक के वर्तमान अध्यक्ष मासत्सुगु असकाता हैं।
- इस बैंक के कुल सदस्यों की संख्या 68 है।

32. निम्नलिखित में से कौन कॉब–डॉगलस उत्पादन फलन के लिए सत्य नहीं है ?
Which of the following is not true for the Cobb-Douglas Production Function ?
(A) $X = b_a L^{b_1} . K^{b_2}$
(B) पैमाने के स्थिर प्रतिफल/Constant returns to scale
(C) यूलर प्रमेय संतुष्ट होती है/Euler's theorem is satisfied
(D) प्रतिस्थापन की लोच इकाई से अधिक/Elasticity of substitution is greater than one

32. (B)
- प्रतिस्थापन की लोच इकाई कॉब–डॉगलस उत्पादन फलन के लिए सत्य नहीं है।
- इस फलन के अनुसार निर्माणकारी उत्पादन में पूँजी का योगदान $\frac{1}{2}$ होता है तथा शेष $\frac{3}{4}$ योगदान श्रम का होता है।
- यह फलन रेखीय और सजातीय उत्पादन फलन है।
- इसका प्रयोग निर्माणकारी उद्योग के सन्दर्भ में किया जाता है।
- यह फलन उद्योगों के मध्य अन्तरों के अध्ययन पर आधारित है।
- इस फलन को $[Q = KL^aC(1 - a)]$ द्वारा व्यक्त करते हैं।

33. CRISIL, ICRA एवं CIBIL क्या है ?
CRISIL, ICRA and CIBIL are :
(A) वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीज/World Credit Rating Agencies
(B) भारतीय क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीज/Indian Credit Rating Agencies
(C) अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीज/American Credit Rating Agencies
(D) एशियाई क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीज/Asian Credit Rating Agencies

33. (B)
- CRISIL, ICRA एवं CIBIL एक भारतीय क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीज है।
- CRISIL एक भारतीय विश्लेषणात्मक कंपनी है जो रेटिंग अनुसंधान एवं जोखिम नीति सलाहकार सेवा प्रदान करती है।
- CRISIL का मुख्यालय मुम्बई में तथा इसके अध्यक्ष अमीरा मेहता हैं।
- ICRA का पूरा नाम इन्फॉर्मेशन एंड क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी है।
- जिसका मुख्यालय भारत के गुड़गाँव में स्थित है।
- CIBIL का पूरा नाम क्रेडिट इन्फॉर्मेशन ब्यूरो इंडिया लिमिटेड है तथा इसकी स्थापना सन् 2000 में की गई थी।

34. प्रशुल्क एक विधि नहीं है –
Tariff is not a tool for :
(A) भुगतान सन्तुलन की/Balance of payments
(B) संरक्षण की/Protection
(C) आयातों को कम करने की/Decrease in imports
(D) विनिमय दर स्थिरीकरण की/Exchange rate stabilization

34. (D)
- प्रशुल्क, विनिमय दर स्थिरीकरण की एक विधि नहीं है।
- प्रशुल्क एक प्रकार का कर है जो आयातित वस्तुओं पर लगाया जाता है।
- विदेशी पूँजी को आकर्षित करने के लिए विनिमय दर स्थिरीकरण एक प्रणाली है।
- विनिमय दर दो अलग–अलग मुद्राओं की सापेक्ष कीमत होती है।
- यह दर राष्ट्रों के बीच व्यापार संतुलन को प्रभावित करती है।
- यह विनिमय दर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रेटन वुड्स प्रणाली दर व्यवस्था से उभरी है।

35. मुद्रा स्फीति से किसे लाभ होता है ?
Who is benefited during money inflation ?
(A) पेंशनधारी को/Pensioner
(B) ऋणी को/Borrower
(C) ऋणदाता को/Lender
(D) बचतकर्ता को/Saver

35. (B)
- मुद्रा स्फीति से ऋणी को लाभ होता है।
- मुद्रा स्फीति वह दर होती है जिस पर करेंसी की वेल्यू गिरती है।
- मुद्रा स्फीति के परिणामस्वरूप वस्तुओं की मूल्य स्तर पर वृद्धि होती है।
- सर्वाधिक प्रयोग में आने वाली मुद्रास्फीति, कंस्यूमर प्राइस इंडेक्स तथा थोक मूल्य सूचकांक है।
- बैंक जमाओं के वेग में वृद्धि हो जाने के कारण चलन में मुद्रा की मात्रा काफी बढ़ जाती है जिससे मुद्रा स्फीति उत्पन्न हो जाती है।

36. हैक्सर ओहलिन सिद्धान्त के साधन कीमत के सन्दर्भ में साधन प्रचुरता के कारण कब किसी देश को पूँजी प्रचुर कहा जाएगा ?
According to Hockscher Ohlin theory of factor abundance in terms of units price, when a country will be called capital abundant ?
(A) $\left(\frac{P_c}{P_t}\right)_A = \left(\frac{P_c}{P_t}\right)_B$ (B) $\left(\frac{P_c}{P_t}\right)_A = \left(\frac{P_c}{P_t}\right)_B$
(C) $\left(\frac{P_c}{P_t}\right)_A = \left(\frac{P_c}{P_t}\right)_B$ (D) $\left(\frac{P_c}{P_t}\right)_A = \left(\frac{P_c}{P_t}\right)_B$

36. (C)
- हैक्सर–ओलिन सिद्धांत एक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत है।
- इस सिद्धांत के अनुसार उत्पादन, विशिष्टीकरण तथा प्रदेशों में व्यापार के ढाँचे का प्रमुख निर्धारक तत्व है।
- इस सिद्धांत की व्याख्या दो रूपों में की जाती है–
  भौतिक रूप में, कीमत के रूप में
- यह सिद्धांत सामान्य संतुलन परिवेश में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार स्पष्ट करने का प्रयत्न करता है।
- इस सिद्धांत में पूँजी की पूर्ण राशि महत्त्वपूर्ण नहीं है बल्कि यह प्रति कर्मचारी पूँजी की राशि है।

37. लियोन्टिक का विरोधाभास किस सिद्धान्त का अध्ययन करता है ?
Which theory is examined by Leontick Paradox ?
(A) अवसर लागत का सिद्धान्त/Opportunity costs theory
(B) तुलनात्मक लागत का सिद्धान्त/Comparative costs theory
(C) हेक्सर–ओहलिन सिद्धान्त/Hackscher-Ohlin theory
(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

37. (C) • लियोन्टिक का विरोधाभास हेक्सर–ओहलिन सिद्धांत का अध्ययन करता है।
• वासिली लियोन्टिक को अर्थमिति में इनपुट–आउटपुट विश्लेषण का जनक कहा जाता है।
• लियोन्टिक को रेखीय प्रोग्रामिंग विकसित करने के लिए भी जाना जाता है।
• रेखीय प्रोग्रामिंग एक आर्थिक समस्याओं को हल करने की एक गणितीय तकनीक है।
• वासिली लियोन्टिक रूसी मूल के अमेरिकी अर्थशास्त्री थे।

38. भारत की अन्तिम पंचवर्षीय योजना थी–
The last five year plan of India was :
(A) बारहवीं/12th
(B) तेरहवीं/13th
(C) चौदहवीं/14th
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं/None of the above

38. (A) • भारत की अंतिम पंचवर्षीय योजना बारहवीं पंचवर्षीय योजना थी।
• बारहवीं पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल 2012 - 2017 था।
• इस योजना का उद्देश्य "तीव्र सतत् एवं अधिक समावेशी विकास" करना था।
• भारत में पंचवर्षीय योजना की शुरुआत सन् 1951 को की गई।
• पंचवर्षीय योजना भारतीय अर्थव्यवस्था का नियोजन की अवधारणा का एक आधार है।
• इसे योजना आयोग और नीति आयोग द्वारा विकसित किया गया था।
• बारहवीं पंचवर्षीय योजना के अंतिम उपाध्यक्ष मोटेक सिंह थे।

39. "व्यापार–चक्र एक विशुद्ध मौद्रिक घटना है।" यह कथन सम्बन्धित है –
"Trade-cycle is a purely monetary phenomenon." This statement balong to :
(A) ए. सी. पीगू/A. C. Pigou
(B) आर. जी. हाट्रे/R. G. Hawtrey
(C) जॉन शुम्पीटर/J. Schumpeter
(D) जे. एम. कीन्स/J. M. Keynes

39. (B) • "व्यापार चक्र एक विशुद्ध मौद्रिक घटना है" यह कथन आर. जी. हाट्रे द्वारा दिया गया था।
• ए. सी पीगू के कथनानुसार, अर्थशास्त्र में आर्थिक कल्याण सामाजिक कल्याण के उस भाग से है जिसे प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः मुद्रा के मापदण्ड से संबंधित किया जा सकता है।
• मुद्रा परिमाण सिद्धांत पीगू द्वारा दिया गया था।
• कीन्स द्वारा रोजगार सिद्धांत को प्रस्तुत किया गया था।
• जॉन शुम्पीटर द्वारा, 'रचनात्मक विकास' को लोकप्रिय बनाया गया।

40. सरकार द्वारा अन्तरण भुगतान निवल घरेलू उत्पाद में सम्मिलित नहीं किया जाता क्योंकि –
Transfer payments by the government are not included in the Net Domestic Product (NDP) because :
(A) यह लाभार्थियों को सरकार द्वारा प्रदत्त उपहार होते हैं/These are gifts from the government to the recipients
(B) यह लाभार्थियों की प्रत्यक्ष आय होते हैं/They are direct income to the recipients
(C) उक्त भुगतानों की बराबरी करने के लिए वस्तुओं एवं सेवाओं का कोई तत्सम्बन्धी उत्पादन नहीं है/No corresponding production goods and services has in place to match such payments
(D) उक्त भुगतानों में रिसाव सम्भव है/There may be leakages in the payments

40. (C) • सरकार द्वारा अन्तरण भुगतान निवल घरेलू उत्पादन में सम्मिलित नहीं किया गया क्योंकि उक्त भुगतानों की बराबरी करने के लिए वस्तुओं एवं सेवाओं का कोई तत्सम्बन्धी उत्पादन नहीं है।
• किसी देश के सकल घरेलू उत्पाद में से उस देश के पूँजी वस्तुओं पर मूल्य ह्रास को घटाने पर निवल देशीय उत्पाद प्राप्त होता है।
• सकल घरेलू आय एक अर्थव्यवस्था के आर्थिक प्रदर्शन का एक बुनियादी माप है।
• भारत का केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय देश के सकल घरेलू उत्पाद की गणना करता है।
• किसी एक साल में देश में पैदा होने वाले सभी सामानों और सेवाओं की कूल वैल्यू (मूल्य) को सकल घरेलू उत्पाद कहते हैं।

41. यदि उधार और अन्य देयताएँ बजटीय घाटे में जोड़ दिये जायें तो प्राप्त होता है –
If borrowings and other liabilities is added to the budgetary deficit, we get :
(A) प्राथमिक घाटा/Primary deficit
(B) राजकोषीय घाटा/Fiscal deficit
(C) पूँजीगत घाटा/Capital deficit
(D) आगम घाटा/Revenue deficit

41. (B) • यदि उधार और अन्य देयताएँ बजटीय घाटे में जोड़ दिये जायें तो राजकोषीय घाटा प्राप्त होता है।
• सरकार की कुल कमाई तथा कुल खर्चे के अंतर को राजकोषीय घाटा कहा जाता है।
• देश के वित्तीय घाटे और ब्याज की अदायगी के अंतर को प्राथमिक घाटा कहते हैं।
• जब सरकार परिसंपत्तियों के निर्माण; जैसे– विद्यालय, अस्पताल आदि के निर्माण में ऋण भुगतान के व्यय को पूँजीगत व्यय कहते हैं।
• ऐसा बजट जिसमें अनुमानित आय और व्ययों की राशि समान रूप से दिखाई जाती है, उसे संतुलित बजट कहते हैं।
• राजकोषीय घाटे की गणना जीडीपी के प्रतिशत के रूप में की जाती है।

42. इष्टतम प्रशुल्क –
An optimum tariff :
(A) व्यापार शर्त में सुधार करता है/Improves the terms of trade
(B) व्यापार शर्त को स्थिर रखता है/Keeps the terms of trade constant
(C) व्यापार शर्त को कम करता है/Lowers the terms of trade
(D) देश के कल्याण के स्तर को घटाता है/Reduces the country's welfare level

42. (A) • इष्टतम प्रशुल्क व्यापार शर्त में सुधार करता है।
• प्रशुल्क एक कर है जो अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में आमतौर पर 5% तक लगाया जाता है।
• यह वह प्रशुल्क है जो किसी देश के कल्याण को अधिकतम बनाए, इष्टतम प्रशुल्क कहलाता है।
• प्रो. सोडर्टन के अनुसार, "अन्य कोई देश मुक्त व्यापार की स्थिति में हो, तो वह सही प्रशुल्क लगाकर हमेशा अपने कल्याण में सुधार कर सकता है।''
• प्रो. किंडलबर्गर ने इष्टतम प्रशुल्क की दर मापने का निम्न फार्मूला दिया है –

$$T_f = \frac{1}{e-1}$$

43. कुल माँग वक्र (AD) प्रारम्भ होता है –
Aggregate Demand (AD) curve starts from :
(A) मूल बिन्दु से/The origin
(B) मूल बिन्दु के नीचे से/Point below the origin
(C) मूल बिन्दु के ऊपर से/Point above the origin
(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

43. (C)
- कुल माँग वक्र मूल बिन्दु के ऊपर से प्रारम्भ होता है।
- सामान्यतः माँग वक्र का ढाल बायें से दायें नीचे की ओर होता है। माँग की तालिका का रेखाचित्र रूप ही माँग वक्र कहलाता है।
- किसी व्यक्ति द्वारा वस्तु के पाने की चाह माँग कहलाती है।
- माँग तालिका एक या एक से ज्यादा उपभोक्ताओं द्वारा निश्चित समय में किसी वस्तु के विभिन्न संभावित मूल्यों पर की गयी मात्रा की माँग के बारे में बताती है।

44. हैक्सर–ओहलिन के अनुसार विभिन्न देशों के बीच व्यापार का कारण होता है–
According to Hecksher-Ohlin in cause of trade between countries is :
(A) माँग दशाएँ/Demand conditions
(B) साधन सम्पन्नता/Factor abundance
(C) तकनीक/Technique
(D) टेस्ट पैटर्न/Test pattern

44. (B)
- हैक्सर – ओहलिन के अनुसार, विभिन्न देशों के बीच व्यापार का कारण साधन सम्पन्नता होता है।
- हैक्सर ओहलिन सिद्धांत एक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत है।
- इस सिद्धांत के अनुसार, उत्पादन, विशिष्टीकरण तथा प्रदेशों में व्यापार के ढाँचे का प्रमुख निर्धारक तत्व है।
- यह सिद्धांत सामान्य संतुलन परिवेश में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार स्पष्ट करने का प्रयत्न करता है।
- इस सिद्धांत में पूँजी की पूर्ण राशि महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह प्रति कर्मचारी पूँजी की राशि है।

45. किसी वस्तु को ग्रिफिन वस्तु तब कहा जाता है जब आय प्रभाव निम्नलिखित में से होता है –
A commodity is said to be a Griffin commodity when the income effect occurs in which of the following :
(A) धनात्मक और प्रतिस्थापन प्रभाव में अधिक/Positive and is greater than the substitutions effect
(B) प्रतिस्थापन प्रभाव के बराबर/Equal to substitution effect
(C) प्रतिस्थापन प्रभाव से कम/Less than the substitutions effect
(D) ऋणात्मक तथा प्रतिस्थापन प्रभाव से अधिक/Negative and is greater than the substitution effect

45. (A)
- किसी वस्तु को ग्रिफिन वस्तु तब कहा जाता है जब आय प्रभाव धनात्मक और प्रतिस्थापन प्रभाव से अधिक होता है।
- ग्रिफिन वस्तुएँ घटिया वस्तुओं से संबंधित हैं।
- ग्रिफिन वस्तुओं पर सामान्यतः माँग का नियम लागू नहीं होता है।
- ग्रिफिन वस्तुएँ वे होती हैं जिनकी कीमत बढ़ने के साथ माँग बढ़ जाती है तथा कीमत घटने के साथ माँग घट जाती है।
- इस सिद्धांत का प्रतिपादन रॉबर्ट ग्रिफिन द्वारा किया गया था।

46. परिभाषा के अनुसार, सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति क्या है ?
What is marginal consumption by definition ?
(A) $\frac{\Delta C}{\Delta Yd}$ के बराबर/equals $\frac{\Delta C}{\Delta Yd}$
(B) $\frac{\Delta C}{\Delta S}$ के बराबर/equals $\frac{\Delta C}{\Delta S}$
(C) $\frac{C}{Yd}$ के बराबर/equals $\frac{C}{Yd}$
(D) $\frac{S}{Yd}$ के बराबर/equals $\frac{S}{Yd}$

46. (A)
- परिभाषा के अनुसार सीमांत उपभोग $\frac{\Delta C}{\Delta Yd}$ के बराबर होता है।
- सीमांत उपभोग प्रवृत्ति वह मापांक है जो प्रेरित उपभोग को एक संख्यात्मक मान प्रदान करता है।
- आय में सीमांत वृद्धि होने पर उपभोग में जितनी वृद्धि होती है वह सीमांत उपभोग कहलाता है।
- सीमांत उपभोग प्रवृत्ति आय में वृद्धि का वह अनुपात है जो उपभोग पर खर्च किया जाता है।
- सीमांत उपभोग प्रवृत्ति आय में परिवर्तन होने से उपभोग में होने वाले अंतर का अनुपात है।

47. साम्य एक स्थिति है, जहाँ पर –
Equilibrium is a condition where :
(A) एक उपभोक्ता अधिकतम सन्तुष्टि प्राप्त करता है/A consumer gets maximum satisfaction
(B) एक उत्पादक अधिकतम लाभ प्राप्त करता है/A producer gets maximum profit
(C) एक फर्म अधिकतम उत्पादन प्राप्त करती है/A firm gets maximum output
(D) उपर्युक्त सभी/All of the above

47. (D)
- साम्य एक स्थिति है जहाँ पर एक उपभोक्ता अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करता है।
- इस स्थिति में उपभोक्ता, एक उत्पादक अधिकतम लाभ प्राप्त करता है।
- इस स्थिति में एक फर्म अधिकतम उत्पादन प्राप्त करती है।
- संतुलन एक वह स्थिति है जिससे माँग और आपूर्ति दोनों आपस में संतुलित रहती हैं।
- संतुलन का सिद्धांत, अर्थशास्त्र के अनुसार, फ्रांसीसी अर्थशास्त्री लियोन वालरस द्वारा दिया गया था।

48. तरलता पसन्दगी सिद्धान्त में तरलता जाल की स्थिति दर्शाता है –
In the Liquidity Preference theory, the situation of liquidity trap shows :
(A) मुद्रा की माँग का वक्र पूर्ण लोचशील होता है/Demand for money curve is perfectly elastic
(B) मुद्रा की माँग का वक्र पूर्ण बेलोचशील होता है/Demand for money curve is perfectly inelastic
(C) मुद्रा की पूर्ति का वक्र पूर्ण लोचशील होता है/Supply of money curve is perfectly elastic
(D) मुद्रा की माँग = मुद्रा की पूर्ति/Demand of Money = Demand of Supply

48. (A)
- तरलता पसन्दगी सिद्धांत में तरलता जाल की स्थिति दर्शाता है कि मुद्रा की माँग का वक्र पूर्ण लोचशील होता है।
- नकद मुद्रा की माँग को तरलता पसन्दगी सिद्धांत कहा जाता है।
- इस अवधारणा को सर्वप्रथम जॉन मेनार्ड कीन्स द्वारा विकसित किया गया था।
- इस अवधारणा में कीन्स के अनुसार, "ब्याज वह कीमत है जो कि धन को नकद रूप में रखने की इच्छा और प्राप्य नकदी की मात्रा में बराबरी स्थापित करता है।"

• कीन्स के सिद्धांत के अनुसार, ब्याज द्रव्य की माँग और द्रव्य की पूर्ति के द्वारा निर्धारित होती है।

49. सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) तथा शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP) के बीच अन्तर होता है–

The difference between Gross National Product (GNP) and Net National Product (NNP) is due to :

(A) विदेशों से शुद्ध आय के कारण/Net income from abroad

(B) अप्रत्यक्ष कर के कारण/Indirect tax

(C) घिसावट व्यय के कारण/Depreciation charges

(D) सरकारी सब्सिडी के कारण/Government subsidies

49. (C) • सकल राष्ट्रीय उत्पाद तथा शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद के बीच घिसावट व्यय के कारण अन्तर होता है।

• एक वर्ष में किसी देश में उत्पादित कुल वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्य को सकल राष्ट्रीय उत्पाद कहते हैं।

• सकल राष्ट्रीय उत्पाद में से मूल्य ह्रास को घटाने पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद प्राप्त होता है।

• शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद एक उद्देश्य है जो एक राष्ट्रीय आय का आँकड़ा प्राप्त करने की गणना है।

• जबकि शुद्ध घरेलू उत्पाद में विदेशों से प्राप्त शुद्ध आय का कारक भी शामिल होता है तो उसे शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद कहा जाता है।

50. एक देश द्वारा आयात शुल्क लगाये जाने पर उस देश में उपभोक्ता की बचत –

When a country imposes an import duty then the consumer savings of the country :

(A) बढ़ती है/Increases

(B) घटती है/Decreases

(C) अपरिवर्तित/No change

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

50. (B) • एक देश द्वारा आयात शुल्क लगाये जाने पर उस देश में उपभोक्ता की बचत घटती है।

• आयात शुल्क या निर्यात शुल्क जिसे हम सीमा शुल्क के नाम से भी जानते हैं।

• आयात शुल्क एक प्रकार का अप्रत्यक्ष कर है।

• भारत में बाहर से आयी हुई निर्मित वस्तुओं पर जो कर लगता है, उसे आयात शुल्क कहते हैं।

• सामान्यतः प्रशुल्क भारत में आयातित वस्तुओं पर लगाया जाता है।

• जब आयात शुल्क बढ़ता है तब माल की कीमत बढ़ जाती है जिसके कारण उपभोक्ता की बचत घटती है।

51. मानव प्रगति व्याख्या (HDR) में किस वर्ष से लैंगिक सशक्ति माप (GEM) को आरम्भ किया गया ?

The Gender Empowerment Measure (GEM) was introduced in Human Development Report from the year :

(A) 1975 (B) 1990

(C) 1994 (D) 1995

51. (D) • मानव प्रगति व्याख्या में 1995 से लैंगिक सशक्ति माप को आरम्भ किया गया है।

• मानव विकास सूचकांक एक संकेतक है जो मानव विकास के चार स्तरों पर देश को श्रेणीगत करने में उपयोग किया जाता है।

जीवन प्रत्याशा, शिक्षा स्तर, जीडीपी

• इस सूचकांक से किसी देश का विकसित या विकासशील होना पता चलता है।

• महिला सशक्तिकरण उपाय लिंग समानता को मापने के लिए बनाया गया एक सूचकांक है।

• मानव विकास सूचकांक का संबंध शिक्षा तथा प्रति व्यक्ति आय से है।

52. कीन्स ने स्फीतिक अंतर की अवधारणा की व्याख्या अपनी किस पुस्तक में की ?

Which of the following book by Keynes interpret the concept of inflational Gap ?

(A) जनरल थ्योरी/General Theory

(B) हाऊ टू पे फार द वार/How to Pay for the War

(C) द बैटल ऑफ ब्रेटन वुड्स/The Battle of Bretton Woods

(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

52. (B) • कीन्स की स्फीतिक अंतर की अवधारणा की व्याख्या 'हाउ टू पे फॉर द वार' नामक पुस्तक में दी है।

• कीन्स की व्यापक आर्थिक विश्लेषण की व्याख्या 'जनरल थ्योरी' नामक पुस्तक में दी है।

• कीन्स ने अपने रोजगार 'सिद्धांत का प्रतिपादन' अपनी पुस्तक 'जनरल थ्योरी ऑफ इम्प्लॉयमेण्ट' में किया गया है।

• कीन्स द्वारा 'तरलता पसन्दगी सिद्धांत' का प्रतिपादन 'जनरल थ्योरी ऑफ इम्प्लॉयमेन्ट, इण्टरेस्ट एण्ड मनी' नामक पुस्तक में किया है।

53. प्रशुल्क लगाने के फलस्वरूप होता है –

Imposition of tariff leads to :

(A) निर्यातों के मूल्यों में कमी आती है/Decrease in prices of exports

(B) आयातों के मूल्यों में कमी आती है/Decrease in prices of imports

(C) निर्यातों के मूल्यों में वृद्धि होती है/Increase in prices of exports

(D) आयातों के मूल्यों में वृद्धि होती है/Increase in prices of imports

53. (C) • प्रशुल्क लगाने के फलस्वरूप निर्यातों के मूल्यों में वृद्धि होती है।

• सामान्यतः भारत में प्रशुल्क आयात तथा निर्यात दोनों पर लगाया जाता है।

• जब आयात शुल्क बढ़ता है तब माल की कीमत बढ़ जाती है।

• आयात शुल्क एक प्रकार का अप्रत्यक्ष कर होता है।

• प्रशुल्क अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में लगाया जाने वाला एक कर है जो 5% तक लगाया जाता है।

• प्रशुल्क घरेलू उद्योग की रक्षा के दृष्टिकोण से लगाए जाते हैं।

54. कीन्स ने जे. बी. के किस नियम को गलत ठहराया है ?

Which one among the following law given by J. B. Say is proved false by economist Keynes ?

(A) बाजार का नियम/Law of market

(B) माँग–पूर्ति का नियम/Law of demand and supply

(C) आर्थिक कल्याण का नियम/Law of economic welfare

(D) मुद्रा परिमाण का सिद्धान्त/Principles of quantity money

54. (A) • कीन्स ने जे. बी. से के बाजार के नियम को गलत साबित किया है।

• जे. बी. से ने अपनी पुस्तक 'ट्रुडे दी इकॉनोमिक पोल्टिक' में बाजार संबंधी नियम का प्रतिपादन किया है।

• जे. बी. से के बाजार नियमानुसार, पूर्ति अपनी माँग का स्वयं निर्माण करती है।

• जे. बी. से के अनुसार, जिस अनुपात में पूर्ति बढ़ती या घटती है, उसी अनुपात में ही उत्पादन के साधनों की क्रय शक्ति और माँग भी बढ़ती या घटती है।

• जे. बी. से का बाजार नियम इस मान्यता पर आधारित है कि बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता पाई जाती है।

• जे. बी. से का बाजार नियम दीर्घकाल में ही लागू होता है।

55. निम्नलिखित में से कौन–सा "मानव विकास सूचकांक" (HDI) का घटक नहीं है ?
Which one of the following is not a component of "Human Development Index" ?
(A) जीवन प्रत्याशा/Life expectancy
(B) प्रति व्यक्ति आय/Per capita income
(C) शिशु मृत्यु दर/Infant mortality rate
(D) साक्षरता दर/Literacy rate

55. (C) • शिशु मृत्यु दर मानव विकास सूचकांक का घटक नहीं है।
• जीवन प्रत्याशा, प्रति व्यक्ति आय, साक्षरता दर मानव विकास सूचकांक के घटक हैं।
• मानव विकास सूचकांक एक संकेतक है जो मानव विकास के चार स्तरों पर देश को श्रेणीगत करने में उपयोग किया जाता है।
• इस सूचकांक से किसी देश का विकसित या विकासशील होना पता चलता है।
• मानव विकास सूचकांक का संबंध शिक्षा तथा प्रति व्यक्ति आय से है।

56. निम्न में से कौन–सा राजकोषीय नीति का उपकरण नहीं है ?
Which of the following is not the tool of fiscal policy ?
(A) बजट सम्बन्धी नीति/Budgetary policy
(B) समुद्दीपन व्यय/Pump-priming spending
(C) करारोपण नीति/Taxation policy
(D) बैंक दर–नीति/Bank rate policy

56. (D) • बैंक दर नीति राजकोषीय नीति का उपकरण नहीं है।
• राजकोषीय नीति का प्रमुख उपकरण करारोपण है।
• सार्वजनिक आय, व्यय, ऋण, करारोपण, बजट घाटे, सब्सिडी और हीनार्थ प्रबन्धन से संबंधित नीतियाँ राजकोषीय नीति कहलाती हैं।
• राजकोषीय नीति विभिन्न परियोजनाओं पर करों और व्ययों से संबंधित सरकारी राजस्व नीति है।
• राजकोषीय नीति सरकार की आर्थिक नीति का एक प्रमुख घटक है।

57. निम्न में से कौन–सा केन्द्रीय प्रवृत्ति का माप नहीं है ?
Which of the following is not a measure of central tendency ?
(A) विस्तार/The range
(B) भूयिष्ठक/The mode
(C) मध्यिका/The median
(D) समान्तर माध्य/The mean

57. (C) • विस्तार करना केन्द्रीय प्रवृत्ति का माप नहीं है।
• केन्द्रीय प्रवृत्ति उस माप को कहते हैं जो दिये गये आँकड़ों का प्रतिनिधित्व करता है। पर मूल्यों के एक समूह में किसी चर मूल्य के आस–पास अन्य मूल्य को केंद्रित, होने की प्रवृत्ति को केन्द्रीय प्रवृत्ति कहा जाता है।
• केन्द्रीय प्रवृत्ति की प्रमुख माप समांतर माध्य, माध्यिका तथा बहुलक होती है।
• रास नामक वैज्ञानिक के अनुसार, केन्द्रीय प्रवृत्ति का मान वह मान है जो समस्त आँकड़ों का श्रेष्ठतम प्रतिनिधित्व करता है।

58. यूलर के प्रमेय का सम्बन्ध है –
Euler's theorem is related to :
(A) मुद्रा स्फीति से/Money inflation
(B) वितरण से/Distribution
(C) कर प्रणाली से/Taxation
(D) जनसंख्या से/Population

58. (C) • यूलर के प्रमेय का संबंध वितरण से है।
• यूलर की प्रमेय एक संख्या सिद्धांत प्रणाली के अंतर्गत एक प्रमेय है।
• इस प्रमेय को फर्मट यूलर प्रमेय भी कहते हैं।
• इस प्रमेय का प्रयोग बड़ी घात को सरल बनाने में किया जाता है।
• उत्पादन समारोह में यूलर का समीकरण दर्शाता है कि कुल कारक भुगतान समरूपता समय उत्पादन की डिग्री के बराबर है।
• इस प्रमेय का विस्तारण सन् 1736 में लियोन हार्ड यूलर द्वारा किया गया।

59. हैबरलर के अवसर लागत सिद्धान्त के अनुसार, पूर्ण विशिष्टीकरण घटित होता है जब –
According to opportunity conclusions of Haberler, full specialisation occur when :
(A) उत्पादन संभावना वक्र, वृद्धिमान अवसर लागत के अन्तर्गत होती है/The production possibility of satisfies increasing opportunity cost
(B) उत्पादन के साधनों में ह्रासमान प्रतिफल होता है/There are diminishing return the factor of production
(C) उत्पादन संभावना वक्र, स्थिर अवसर लागत के अन्तर्गत होती है/The production possibility of satisfies constant opportunity cost
(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

59. (C) • हैबरलर के अवसर लागत सिद्धांत के अनुसार, उत्पादन संभावना वक्र स्थिर अवसर लागत के अन्तर्गत होती है।
• अर्थव्यवस्था की दृष्टि से किसी एक वस्तु की अतिरिक्त मात्रा की अवसर लागत दूसरी वस्तु की त्याग की गई मात्रा होती है।
• **कोल** के अनुसार, "एक कार्य के चयन द्वारा विकल्प अवसर के त्याग का मूल्यांकन कार्य विशेष की विकल्प लागत अवसर लागत है।
• अवसर लागत दो प्रकार की होती हैं– स्पष्ट लागत एवं निहित लागत।

60. तुलनात्मक लागत सिद्धान्त को अवसर लागत के रूप में किसने प्रतिस्थापित किया ?
Opportunity cost version of comparative cost theory was introduced by :
(A) हैक्सर–ओहलिन/Heckscher-Ohlin
(B) जे. एस. मिल/J. S. Mill
(C) मार्शल/Marshall
(D) हैबरलर/Haberler

60. (D) • तुलनात्मक लागत सिद्धांत को अवसर लागत सिद्धांत के रूप में हैबरलर ने प्रतिस्थापित किया।
• तुलनात्मक लागत सिद्धांत का प्रतिपादन डेविड रिकॉर्डो द्वारा किया गया था।
• तुलनात्मक लागत अंतर यह है कि देश दोनों ही वस्तुओं का उत्पादन अन्य देशों की तुलना में कम लागत पर कर सकता है, परन्तु उसे दोनों में से एक का उत्पादन करने में तुलनात्मक लाभ अधिक है, जबकि दूसरी वस्तु के उत्पादन में तुलनात्मक लाभ कम है।
• तुलनात्मक लागत सिद्धांत विभिन्न देशों में समान वस्तुओं की उत्पादन लागत में अंतर पर आधारित है।
• **रिकॉर्डो** के अनुसार, "यह अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार है।"

61. पूँजी एवं श्रम का निरन्तर प्रतिस्थापन किसके द्वारा दर्शाया गया है ?
Continuous substitutability of capital and labour is shown by ?
(A) चिकना उत्तल समोत्पाद वक्र/Smooth convex isoquant curve
(B) किंक्ड समोत्पाद वक्र/Kinked isoquant curve
(C) रैखिक समोत्पाद वक्र/Linear isoquant curve
(D) अवतल समोत्पाद वक्र/Concave isoquant curve

61. (C) • पूँजी एवं श्रम की निरंतर प्रतिस्थापन रेखिक समोत्पाद वक्र से दर्शाया जाता है।
• रेखिक समोत्पाद वक्र का प्रत्येक बिन्दु फर्म के एक समान उत्पादन स्तर को बताता है।
• शरीर या मानसिक रूप से किया गया कार्य श्रम कहलाता है।
• शिक्षा में निवेश को मानव पूँजी का प्रमुख स्त्रोत माना गया है।
• पूँजी एक वह धनराशि है जिससे कोई व्यापार चलाया जाता है।

62. वित्त आयोग का गठन कौन करता है ?
Finance Commission is constitutted by ?
(A) वित्त मंत्रालय/Ministry of Finance
(B) प्रधानमंत्री/Prime Minister
(C) राष्ट्रपति/President
(D) महालेखाकार/Accountant General

62. (C) • वित्त आयोग का गठन राष्ट्रपति करता है जिसका वर्णन अनुच्छेद 280 में किया गया है।
• भारतीय वित्त आयोग की स्थापना 22 नवंबर, 1951 को की गई।
• इसकी स्थापना का उद्देश्य भारत के केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकारों के बीच वित्तीय संबंधों को परिभाषित करना था।
• वित्त आयोग का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थापित है।
• वर्तमान में वित्त आयोग के अध्यक्ष एन. के. सिंह हैं।
• वित्त आयोग संघीय ढाँचे का महत्वपूर्ण अंग है।

63. सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति (MPC) का मूल्य क्या है जब सीमान्त बचत प्रवृत्ति शून्य हो ?
What is the value of MPC when the marginal saving variable is zero ?
(A) i (एक)/i (One)
(B) o (शून्य)/o (Zero)
(C) ∞ (अनन्त)/∞ (Infinite)
(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

63. (A) • सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति का मूल्य एक होता है जब सीमान्त बचत प्रवृत्ति शून्य होती है।
• सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति वह मापांक है जो प्रेरित उपभोग को एक संख्यात्मक मान प्रदान करता है।
• सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति आय में वृद्धि का वह अनुपात है , जो उपभोग पर खर्च किया जाता है।
• सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति आय में परिवर्तन होने से उपभोग में होने वाले अंतर के अनुपात हैं।
• जब सीमांत उपयोगिता शून्य होती है तब कुल उपयोगिता अधिकतम होती है।

64. एशियन विकास बैंक का मुख्यालय है–
The headquarter of ADB is :
(A) कैरो में/Cairo
(B) टोक्यो में/Tokyo
(C) मनिला में/Manila
(D) दुबई में/Dubai

64. (C) • एशियन विकास बैंक का मुख्यालय फिलीपींस देश के मनीला नगर में स्थित है।
• इस बैंक की स्थापना 19 दिसम्बर, 1966 को की गई।
• इस बैंक के अध्यक्ष मासत्सुगु असकाता हैं।
• इस बैंक के कुल सदस्यों की संख्या 68 है।
• भारत इसका एक संस्थापक सदस्य है।
• इसका मुख्य उद्देश्य एशिया में सामाजिक एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

65. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए –
Match the following :

	सूची–I/List–I	**सूची–II/List–II**
a.	ब्याज का तरलता अधिमान सिद्धान्त/ Liquidity preference theory of interest	I. सीनियर/ Senior
b.	ब्याज का त्याग सिद्धान्त/ Abstinance theory of interest	II. कीन्स/ Keynes
c.	ब्याज का समय अधिमान सिद्धान्त/ Time preference theory of interest	III. बोम बावर्क/ BohmBawrk
d.	ब्याज का आस्ट्रियाई सिद्धान्त/ Austrain theory of interest	IV. फिशर/ Fisher

कूट/Codes :

	a	b	c	d
(A)	I	II	III	IV
(B)	III	I	IV	II
(C)	II	I	IV	III
(D)	IV	II	III	I

65. (C) • ब्याज का तरलता अधिमान सिद्धांत कीन्स द्वारा प्रतिपादित किया गया था।
• ब्याज के त्याग सिद्धांत का प्रतिपादन सीनियर द्वारा किया गया।
• ब्याज का समय अधिमान सिद्धांत की पुष्टि फिशर नामक अर्थशास्त्री द्वारा की गई।
• ब्याज का ऑस्ट्रियाई सिद्धांत की व्याख्या बोम बावर्क नामक वैज्ञानिक द्वारा की गई।

66. आन्तरिक मितव्ययतायें उत्पन्न होती हैं जब –
Internal economies arise when :
(A) फर्म श्रम विभाजन लागू करती है/Firm applies division of labouring
(B) उत्पादक कम उत्पादन करते हैं/Producer produces less
(C) सरकार सड़कें उपलब्ध कराती हैं/Roads are provided by government
(D) फर्म एकल वस्तु का उत्पादन करती है/Firm produces a single article

66. (A) • आंतरिक मितव्ययतायें उत्पन्न होती हैं जब कोई फर्म श्रम विभाजन लागू करती है।
• जब किसी बड़े कार्य को छोटे–छोटे तर्कसंगत टुकड़ों में बाँटकर हर भाग को करने के लिये अलग–अलग लोग निर्धारित किये जाते हैं तो इसे श्रम विभाजन कहते हैं।
• श्रम विभाजन का सिद्धांत मुख्यतः किसी बड़े कार्य पर लागू होता है।
• श्रम विभाजन के माध्यम से उत्पादन बढ़ने से राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है।
• श्रम विभाजन द्वारा श्रमिकों और उद्योग पर अधिक दबाव डाले बिना, जल्दी और कुशलता से काम करना संभव हो जाता है।

67. गिफिन वस्तु के सम्बन्ध में क्या सही है ?
What is true for Giffen good ?
(A) प्रबल प्रतिस्थापन प्रभाव/Strong substitution effect
(B) प्रबल धनात्मक आय प्रभाव/Strong positive income effect
(C) प्रबल ऋणात्मक आय प्रभाव/Strong negative income effect
(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

67. (B) • गिफिन वस्तुओं के संबंध में प्रबल धनात्मक आय प्रभाव सही है।
• किसी वस्तु को गिफिन वस्तु तब कहा जाता है जब आय प्रभाव धनात्मक तथा प्रतिस्थापन प्रभाव से अधिक होता है।
• गिफिन वस्तुयें घटिया किस्म की वस्तुओं से संबंधित होती हैं।
• गिफिन वस्तुओं पर सामान्यतः माँग का नियम लागू नहीं होता है।
• गिफिन वस्तुयें वे होती हैं जिनकी कीमत बढ़ने पर माँग बढ़ जाती है तथा कीमत घटने पर माँग घट जाती है।

68. निम्न में से कौन–सा एक राजकोषीय नीति का उद्देश्य नहीं है ?
Which of the following is not objective of fiscal policy ?
(A) आर्थिक वृद्धि/Economic growth
(B) आर्थिक स्थिरता/Economic stability
(C) रोजगार के स्तर में अधिकतमकरण/Maximisation of employment level
(D) वित्तीय संस्थाओं का विनियमन/Regulating of financial institutions

68. (D) • वित्तीय संस्थाओं का विनियमन एक राजकोषीय नीति का उद्देश्य नहीं है।
• राजकोषीय नीति का प्रमुख उपकरण करारोपण है।
• राजकोषीय नीति विभिन्न परियोजनाओं पर करो और व्यय से सरकारी राजस्व से संबंधित नीति है।
• सार्वजनिक व्यय, आय, करारोपण आदि से संबंधित नीतियाँ राजकोषीय नीति कहलाती है।
• आर्थिक वृद्धि तथा आर्थिक स्थिरता राजकोषीय नीति का उद्देश्य है।
• रोजगार के स्तर में अधिकतमकरण राजकोषीय नीति का उद्देश्य है।

69. आर. एन. मल्होत्रा समिति ने किस क्षेत्र से सम्बन्धित सिफारिशें कीं ?
R. N. Malhotra Committee gave recommendations in the field of ?
(A) कृषि क्षेत्र/Agricultural sector
(B) बीमा क्षेत्र/Insurance sector
(C) रुग्ण उद्योग/Sick industries
(D) बैंकिंग क्षेत्र/Banking sector

69. (B) • आर. एन. मल्होत्रा समिति ने बीमा क्षेत्र से सम्बन्धित सिफारिशें की हैं। आर. एन. मल्होत्रा भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे हैं।
• सिवरामन समिति की सिफारिश पर NABARD बैंक की स्थापना की गई जो कृषि क्षेत्र के विकास के लिए खोली गई थी।
• भारत में बैंकिंग क्षेत्र के सुधार पर नरसिम्हम समिति का गठन किया गया था।
• भारत में रुग्ण उद्योग के लिए तिवारी समिति का गठन किया गया था।
• आर. एन. मल्होत्रा समिति का गठन सन् 1993 में किया गया था।

70. ..... के मॉडल में प्रत्येक विक्रेता प्रतिद्वन्द्वी के उत्पादन को स्थिर मानता है।
Each seller assumes his rivals production is constant in the model of ..... .
(A) कूर्नो/Cournol
(B) एजवर्थ/Edgeworth
(C) बरट्रेंड/Bertrand
(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

70. (A) • कूर्नो के मॉडल में प्रत्येक विक्रेता प्रतिद्वन्द्वी के उत्पादन को स्थिर मानता है।
• सन् 1938 में आगस्टिन कूर्नो ने द्वयाधिकार के अन्तर्गत 'कीमत निर्धारण की समस्या का समाधान' की व्याख्या की।
• द्वयाधिकार उस बाजार स्थिति को कहते हैं जिसमें केवल दो विक्रेता होते हैं।
• इस सिद्धांत के अनुसार, प्रत्येक विक्रेता अपने प्रतिद्वन्द्वी द्वारा उत्पादन मात्रा में परिवर्तन करने की आशा नहीं करता है।
• कूर्नो का मॉडल एक बन्द मॉडल है। अतः आगामी धारणों में भी फर्मों की संख्या यथावत् मानी गई है।

71. वास्तविक मजदूरी, मौद्रिक मजदूरी के अतिरिक्त दिया जाने वाला प्रतिशत है –
Real wage is more returns than monetary wage :
(A) मुफ्त मकान/Free house
(B) मुफ्त चिकित्सा/Free treatment
(C) बच्चों को मुफ्त शिक्षा/Free education for children
(D) उपर्युक्त सभी/All of the above

71. (D) • मुफ्त मकान वास्तविक मजदूरी, मौद्रिक मजदूरी के अतिरिक्त दिया जाने वाला प्रतिफल है।
• मुफ्त चिकित्सा तथा बच्चों को मुफ्त शिक्षा, वास्तविक मजदूरी, मौद्रिक मजदूरी के अतिरिक्त दिया जाने वाला प्रतिफल है।
• वास्तविक मजदूरी वह मजदूरी है जो मुद्रास्फीति के लिए समायोजित की जाती है।
• किसी व्यक्ति द्वारा कुछ काम करने के बदले काम कराने वाला व्यक्ति बदले में जो कुछ भी देता है, उसे मजदूरी कहते हैं।
• मुद्रा के रूप में श्रमिकों को जो भुगतान दिया जाता है, उसे मौद्रिक मजदूरी कहा जाता है।
• मजदूरी की गणना प्रतिदिन, प्रति घण्टा या प्रति काम के अनुसार की जाती है।

72. शब्द 'सम्भाव्य अचम्भा' किस सिद्धान्त से सम्बन्धित है ?
Word 'Potential Surprise' is related to which of the thoery ?
(A) लगान सिद्धान्त/Rent theory
(B) ब्याज सिद्धान्त/Interest theory
(C) मजदूरी सिद्धान्त/Wage theory
(D) लाभ सिद्धान्त/Profit theory

72. (D) • शब्द 'सम्भाव्य अचम्भा' लाभ सिद्धांत से लिया गया है।
• प्रो. टॉजिंग द्वारा लाभ का मजदूरी सिद्धांत को प्रतिपादित किया गया।
• इनके अनुसार, "लाभ उद्यमकर्ता की वह मजदूरी है जो उसे उसकी विशेष योग्यता के कारण प्राप्त होती है।"
• इस सिद्धांत के अनुसार श्रम एवं उद्यम में पूर्ण समानता होती है।
• प्रो. मेहता द्वारा, "लाभ अनिश्चितता वहनकर्ता की आय है।''
• प्रो. मेहता द्वारा लाभ का माँग एवं पूर्ति का सिद्धांत दिया गया है।

73. बी. के. आर. बी. राव सम्बन्धित हैं –
V. K. R. V. Rao associated with :
(A) वित्त आयोग/Finance commission
(B) पंचवर्षीय योजना/The five year plan
(C) राष्ट्रीय आय/National income
(D) सभी सत्य हैं/All are the correct

73. (C) • V.K.R.V. राव राष्ट्रीय आय से संबंधित हैं।
• वी. के. आर. वी. राव का पूरा नाम विजयेंद्र कस्तूरी रंगा वरदराज राव था जो कि एक भारतीय अर्थशास्त्री थे।
• भारत में आय का कराधान इनके कार्यों के प्रति उल्लेखनीय है।

- वित्त आयोग एक संवैधानिक निकाय है जो राजकोषीय संघवाद की धुरी है, इसका मुख्य दायित्व संघ व राज्यों की वित्तीय स्थितियों का मूल्यांकन करना है।
- जब केन्द्र सरकार द्वारा 5 वर्ष के लिए देश के लोगों के लिए आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए शुरुआत करना पंचवर्षीय योजना कहलाती है।

74. पूरक वस्तुओं हेतु आड़ी माँग की लोच होगी–
For complementary goods, the cross elasticity of demand will be :
(A) शून्य/Zero
(B) अनन्त/Infinity
(C) धनात्मक परन्तु अनन्त से कम/Positive but less than infinity
(D) ऋणात्मक/Negative

74. (D)
- पूरक वस्तुओं के लिए आड़ी माँग की लोच ऋणात्मक होती है।
- $\frac{\Delta Q_1}{\Delta P_2} \cdot \frac{P_2}{Q_1}$ माँग की आड़ी कीमत लोच होती है।
- अर्थशास्त्र में माँग की आड़ी लोच मात्रा की जवाबदेही को मापता है।
- किसी वस्तु की माँग में आने वाले परिवर्तन को माँग की लोच कहा जाता है।
- माँग की लोच का उपयोग स्थानापन्न वस्तुओं को परिभाषित करने के लिए किया जाता है।
- जिन वस्तुओं का प्रयोग किसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए साथ–साथ किया जाता है पूरक वस्तुएँ कहलाती हैं।

75. अर्थशास्त्र में चयन की समस्या उत्पन्न होती है क्योंकि –
In economics problem of choice arises because :
(A) आवश्यकताओं की प्रकृति अति आवश्यक होती है/Needs are urgent in nature
(B) संसाधन प्रकृति प्रदत्त होते हैं/Resources are given by nature
(C) संसाधनों के वैकल्पिक उपयोग होते हैं/Resources have alternative uses
(D) संसाधनों पर सरकार का अधिकार होता है/Resources are in government possession

75. (C)
- अर्थशास्त्र में चयन की समस्या उत्पन्न होती है क्योंकि संसाधनों के वैकल्पिक उपयोग होते हैं।
- प्रत्येक उपभोक्ता का यह प्रयास होता है कि वह अधिक–से–अधिक आवश्यकताओं की संतुष्टि करे, इसी कारण इसका चुनाव(चयन) करना पड़ता है।
- चयन की यह समस्या ही आर्थिक समस्या को जन्म देती है। अतः चयन की समस्या ही मौलिक रूप से आर्थिक समस्या है।
- इस दुर्लभता के कारण ही हम संसाधनों को नष्ट भी नहीं होने दे सकते हैं।

76. कुछ आभास लगान बराबर होता है –
Total Quasi rent is equals :
(A) कुल आगम – कुल लागत
Total revenue – Total costs
(B) कुल आगम – कुल स्थिर लागत
Total revenue – Total fixed cost
(C) कुल आगम – कुल परिवर्तनशील लागत
Total revenue – Total variable cost
(D) कुल आगम/कुल लागत
Total revenue/Total costs

76. (C)
- कुल आभास लगान 'कुल आगम – कुल परिवर्तनशील लागत' के बराबर होता है।
- आभास लगान की धारणा का प्रतिपादन डॉ. मार्शल द्वारा किया गया है।
- इनके अनुसार, भूमि के अतिरिक्त मनुष्य द्वारा बनाए गए उन साधनों से प्राप्त अतिरिक्त आय के लिए व्याख्या की गई है जिनकी शर्तें अल्पकाल में स्थिर रहती हैं।
- इनके द्वारा आभास लगान शब्द का प्रयोग, उस आय के लिए किया गया है जो कि मनुष्यों द्वारा मशीनों तथा अन्य औजारों से प्राप्त होती है।
- आभास लगान का संबंध एक फर्म की कुल लागत से है।
- प्रो. बिलास के अनुसार, कुल आय तथा कुल घटती–बढ़ती लागतों के अन्तर को आभास लगान कहते हैं।

77. निम्न में से कौन–सा ग्रामीण साख का संस्थागत स्रोत नहीं है ?
Which of the following is not an institutional sources of rural curve ?
(A) प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियाँ/Primary Agricultural Curves Credit Societies
(B) भूमि विकास बैंक/Land Development Bank
(C) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक/Regional Rural Bank
(D) देशी बैंकर/Indigenous Banker

77. (D)
- देशी बैंकर ग्रामीण साख संस्थागत स्रोत नहीं हैं।
- विभिन्न कृषि उपजों की खरीदी एवं विक्रय का कार्य करने वाली प्राथमिक समितियाँ संस्थागत साख कहलाती हैं।
- वित्तीय संस्थाएँ वित्त के लेन–देन का कार्य करती हैं।
- ये संस्थाएँ, संस्थागत तथा गैर–संस्थागत होती हैं।
- साहूकार, व्यापारी और कमीशन एजेंट, रिश्तेदार और जमींदार गैर–संस्थागत के अन्तर्गत आते हैं।
- कृषि वित्त का प्रमुख स्रोत सहकारी समितियाँ हैं।
- व्यावसायिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी बैंक आदि ग्रामीण साख के स्रोत हैं।

78. कॉब–डॉगलस उत्पादन फलन $Q = AL^{\alpha}K^{\beta}$ स्थिर पैमाने के प्रतिफल देगा, जब –
Cobb-Douglas production function $Q = AL^{\alpha}K^{\beta}$ will give constant result to scale, when :
(A) $\alpha + \beta > 1$ (B) $\alpha + \beta < 1$
(C) $\alpha + \beta = 1$ (D) $\alpha - \beta = 1$

78. (C)
- कॉब–डॉगलस उत्पादन फलन $Q = AL^{\alpha}k^{\beta}$ स्थिर पैमाने के प्रतिफल देगा जब $\alpha + \beta = 1$ होंगे।
- कॉब–डॉगलस उत्पादन, फंक्शन उत्पादन का एक विशेष कार्यात्मक रूप होता है।
- α और β क्रमशः पूँजी व श्रम की आउटपुट लोच होती है।
- इस उत्पादन का संबंध मजदूरों की पूँजी की गणना करने से है।
- **डगलस** के अनुसार, कार्यात्मक रूप को सर्वप्रथम फिलिप विकस्टीड द्वारा विकसित किया गया था।
- **प्रो. सैम्युल्सन** के अनुसार, "उत्पादन फलन वह प्राविधिक संबंध है जो यह व्यक्त करता है कि साधनों के प्रत्येक विशेष समूह द्वारा कितना उत्पादन किया गया है।"

79. विकास के आधार पर निम्नलिखित को कालक्रमबद्ध कीजिए –
Put the following in chronological on the basis of development :
I. माँग का नियम/Law of demand
II. प्रकट अधिमान सिद्धांत/Revealed preference theory

III. क्रमवाचक उपयोगिता सिद्धांत/Indifference curve theorem

IV. ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता का नियम/Law of diminishing marginal

(A) I, II, III, IV (B) I, II, IV, III

(C) IV, III, I, II (D) I, IV, III, II

79. (D) • विकास के आधार पर सर्वप्रथम माँग का नियम – ह्रासमान सीमांत उपयोगिता का नियम – क्रमवाचक उपयोगिता सिद्धांत – प्रकट अधिमान सिद्धांत क्रमबद्ध है।

• सभी पहलुओं को बराबर रखते हुये किसी वस्तु की कीमतों का गिरना उसकी माँग को बढ़ा देता है।

• सीमान्त उपयोगिता ह्रास का नियम यह बताता है कि जब हम किसी वस्तु की अधिक इकाइयों का उपयोग करते हैं वैसे ही उत्तरोत्तर इकाइयों से प्राप्त सीमांत उपयोगिता क्रमशः घटती जाती है।

• प्रकट अधिमान सिद्धांत के प्रतिपादक प्रो. सैम्युल्सन हैं जिन्होंने इस माँग के तार्किक सिद्धांत का प्रतिपादन किया था।

80. माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट रिफाइनेंस एजेन्सी लि. (MUDRA) भारत के प्रधानमन्त्री द्वारा कब प्रारम्भ की गई ?

Micro Units Development Refinance Agency Ltd. (MUDRA) was launched by the Prime Minister of India on ?

(A) 8 अप्रैल, 2015/8 April, 2015

(B) 8 मई, 2015/8 May, 2015

(C) 8 अगस्त, 2015/8 August, 2015

(D) 8 सितम्बर, 2015/8 September, 2015

80. (A) • माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट रिफाइनेंस एजेन्सी (MUDRA) भारत के प्रधानमंत्री द्वारा 8 अप्रैल, 2015 को प्रारम्भ की गई।

• MUDRA बैंक का मुख्य उद्देश्य है कि यह अपना ध्यान सूक्ष्म तथा लघु उद्योगों के वित्त पोषण पर केन्द्रित करेगा।

• इस बैंक की स्थापना SIDBI के अधीन की गई है।

• इस व्यवस्था के तहत तीन तरह के कर्ज दिए जायेंगे शिशु, किशोर और तरुण।

• मुद्रा बैंक के तहत अनुसूचित जाति। जनजाति के उद्यमियों को प्राथमिकता पर कर्ज दिए जाऐंगे।

• इस योजना के तहत ऋण राशि हेतु तीन श्रेणियाँ हैं –

1. सूक्ष्म (50,000), 2. लघु (5,00,000), 3. मध्यम (10,00,000)

81. सुमेलित कीजिए –

Match the following :

सूची–I/List–I		**सूची–II/List–II**
a. सापेक्ष आय परिकल्पना (उपभोग संबंधी)/ Relative income Hypothesis of consumption	I.	आर.सी.ओ.मैथ्यूज। R.C.O.Mathews
b. पूँजी स्टॉक समायोजन मॉडल (निवेश संबंधी)/ Capital stock adjustment model of investment	II.	जेम्स ड्यूजेनबरी। James Duesenburry
c. NAIRU/ Non Accelerating Inflation Rate of Unemployment (NAIRU)	III.	जी. कैसेल। G. Cassel
d. क्रय शक्ति समता सिद्धान्त/ Purchasing power parity theory	IV.	मिल्टन फ्रीडमैन। Milton Friedman

कूट/Codes :

	a	b	c	d
(A)	IV	I	II	III
(B)	III	II	I	IV
(C)	II	I	IV	III
(D)	I	II	III	IV

81. (C) • उपभोग संबंधी सापेक्ष आय परिकल्पना के सिद्धांत का प्रतिपादन जेम्स ड्यूजेनबरी ने किया था।

• निवेश संबंधी पूँजी स्टॉक समायोजन मॉडल की व्याख्या आर. सी. ओ. मेथ्यू द्वारा की गई।

• NAIRU बेरोजगारी का सिद्धांत मिल्टन फ्रीडमैन द्वारा दिया गया था।

• क्रय शक्ति समता का सिद्धांत जी. कैसेल द्वारा प्रतिपादित किया गया।

• NAIRU का पूरा नाम 'नॉन एक्सीलरेटिंग इन्फ्लेशन रेट ऑफ अनएम्प्लॉयमेंट' है।

• क्रय शक्ति समता सिद्धांत के अनुसार, विभिन्न देशों में एकसमान वस्तुओं की कीमत समान रहती है।

82. लागतों में तुलनात्मक लाभ सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं –

Propounder of comparative cost advantage theory :

(A) मार्शल/Marshall

(B) रिकार्डो/Ricardo

(C) एडम स्मिथ/Adam Smith

(D) जे. एस. मिल/J. S. Mill

82. (B) • लागतों में तुलनात्मक लाभ सिद्धांत का प्रतिपादन रिकार्डो द्वारा किया गया है।

• रिकार्डो के अनुसार, दो देशों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को संभव बनाने के लिए तुलनात्मक लागत अन्तर की दशा का होना आवश्यक है।

• तुलनात्मक लागत का सिद्धांत विभिन्न देशों में समान वस्तुओं की उत्पादन लागत में अन्तर पर आधारित है।

• रिकार्डो के अनुसार, यह अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार है।

• अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार तीन प्रकार का होता है – निर्यात व्यापार, आयात व्यापार, एंट्रीपोर्ट ट्रेड।

• अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार उन व्यावसायिक गतिविधियों को संदर्भित करता है जो किसी देश की भौगोलिक सीमाओं से परे हैं।

83. भारत में जनसंख्या वृद्धि के संदर्भ में कौन-सा वर्ष महान् विभाजन वर्ष है ?

Which is the 'Year of great divide' in the history of population growth in India ?

(A) 1921 (B) 1951

(C) 1971 (D) 1991

83. (A) • भारत में जनसंख्या वृद्धि के सन्दर्भ में सन् 1921 महान् विभाजन वर्ष है।

• जनसंख्या वृद्धि किसी भी क्षेत्र में लोगों की बढ़ती हुई संख्या को कहते हैं।

• अध्ययन के अनुसार, वर्ष 2100 में भारत विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश होगा।

• माल्थस का जनसंख्या सिद्धांत, जनसंख्या में वृद्धि तथा खाद्यान्न आपूर्ति में वृद्धि के मध्य संबंधों की व्याख्या करता है।

• कम आयु में विवाह, निम्न साक्षरता, गरीबी आदि जनसंख्या की वृद्धि के प्रमुख कारण हैं।

84. निम्नलिखित के सही कालक्रम को ज्ञात कीजिए–

1. कीन्स का उपभोग फलन
2. आयु चक्र परिकल्पना
3. सापेक्ष आय परिकल्पना
4. फ्रीडमैन की स्थायी आय परिकल्पना

Find out the correct chronologies of the following :

1. Consumption function of Keynes
2. Life cycle hypothesis
3. Relative income hypothesis
4. Friedman's permanentincome hypothesis

कूट/Codes :

(A) 4, 2, 1, 3 (B) 2, 1, 3, 4
(C) 1, 3, 4, 2 (D) 3, 4, 2, 1

84. (C)
- सर्वप्रथम कीन्स का उपभोग फलन आया फिर सापेक्ष आय परिकल्पना आयी फिर फ्रीडमैन की स्थायी आय परिकल्पना तथा अन्त में आयु चक्र परिकल्पना प्रस्तावित हुई।
- कीन्स के अनुसार, कोई व्यक्ति जो भी अपनी पूरी आय हासिल कर लेता है तथा वह इसके एक भाग को अपने उपभोग में लगाता है, उपभोग फलन कहलाता है।
- जब किसी व्यक्ति द्वारा अपने जीवन-चक्र पर अपने उपभोग और बचत व्यवहार की योजना बनाता है तो उसे जीवन-चक्र परिकल्पना कहते हैं।
- सापेक्ष आय परिकल्पना में यह बताया गया है कि उपभोग और बचत के लिए एक व्यक्ति का दृष्टिकोण उसकी आय से दूसरों के संबंध में जीवन के अमूर्त मानक से अधिक निर्धारित होता है।
- फ्रीडमैन द्वारा "स्थायी आय वह है जिसका कोई उपभोक्ता अपनी सम्पत्ति को अक्षुण्ण बनाए रखते हुए उपभोग कर सकता है।

85. सट्टा उद्देश्य हेतु मुद्रा की माँग निर्भर करती है–
For speculative motive, demand of money depends on :

(A) आय के स्तर पर/Level of income
(B) ब्याज की दर पर/Rate of interest
(C) मुद्रा की उपलब्धता पर/Availability of money
(D) रहन–सहन के स्तर पर/Standard of living

85. (B)
- सट्टा उद्देश्य हेतु मुद्रा की माँग ब्याज की दर पर निर्भर करती है।
- मुद्रा की सट्टा माँग को $L_2 = f(r)$ द्वारा व्यक्त किया जाता है।
- मुद्रा की सट्टा माँग को कीन्स के द्वारा व्यक्त किया गया है।
- यह माँग मूल्य के संचय के रूप में मुद्रा के कार्य से संबंधित है।
- मुद्रा परिमाण सिद्धांत को कैम्ब्रिज अर्थशास्त्री मार्शल तथा पीगू के नाम पर कैम्ब्रिज दृष्टिकोण कहा गया है।
- मुद्रा का वास्तविक मूल्य मुद्रा स्फीति पर निर्भर करता है जो कि अनिश्चित है।

86. निम्न में से कौन–सा कारक निर्यात प्रोत्साहन के लिए उपयुक्त नहीं है ?
Which of the following factor is not appropriate regarding export promotion ?

(A) विश्व बाजार में निर्यात का हिस्सा बढ़ाने के लिए/To increase share of export world market
(B) आयातों का वित्त प्रबन्धन करने के लिए/To financing of imports
(C) घरेलू बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति बढ़ाने के लिए/To increase supply of goods home market
(D) विदेशी ऋणों की अदायगी के लिए/To pay off external loan

86. (C)
- घरेलू बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति बढ़ाने वाला कारक निर्यात प्रोत्साहन के लिए उपयुक्त नहीं है।
- जिस स्थान पर किसी वस्तु का व्यापार होता है उसे बाजार कहते हैं।
- भारत में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के माध्यम से निर्यात को बढ़ावा देना।
- बाजार एक महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था है।
- पूर्ण प्रतियोगिता बाजार, बाजार का ही एक हिस्सा है।
- पूर्ण प्रतियोगिता बाजार की वह स्थिति है जिसकी विशेषता समरूप उत्पाद है।

87. दो वस्तुओं X और Y के बीच रूपान्तरण दर को किस रूप में परिभाषित किया जाता है ?
Marginal rate of transformation between two goods X and Y is defined as ?

(A) $MRT_{X, Y} = \frac{MC_X}{MC_Y}$

(B) $MRT_{X, Y} = MRS_{X, Y}$

(C) $MRT_{X,Y} = MRS_{X,Y} = \frac{P_X}{P_Y}$

(D) इनमें से कोई नहीं/None of the above

87. (A)
- दो वस्तुओं X और Y के बीच रूपान्तरण दर को $\left[MRT_{X,Y} = \frac{MC_X}{MC_y}\right]$ के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- रूपान्तरण दर ई-कॉमर्स में प्रयोग होने वाला एक शब्द है।
- रूपान्तरण दर किसी वेबसाइट के आगंतुकों का प्रतिशत होती है।
- ई-कॉमर्स उद्यम चलाते समय, आपकी रूपान्तरण दर आपकी व्यवसाय की सफलता की कुँजी है।
- रूपान्तरण का मुख्यतः प्रयोग ई–कॉमर्स उद्योगों में किया जाता है।

88. वह बजट जिसमें उसकी कर–आय और व्यय बराबर है, उसे कहते हैं–
The budget in which its tax revenue and expenditure is equal It is called :

(A) अधिशेष बजट/Surplus budget
(B) असन्तुलित बजट/Unbalanced budget
(C) सन्तुलित बजट/Balanced budget
(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

88. (C)
- वह बजट जिसमें उसकी कर–आय और व्यय बराबर हो, उसे सन्तुलित बजट कहते हैं।
- जब सरकार का राजस्व आय और राजस्व खर्च (व्यय) समान हो तब संतुलित बजट कहलाता है।
- किसी देश की अर्थव्यवस्था को धन की पूर्ति के लिए बजट का निर्माण किया जाता है।
- भारत में बजट निर्माण प्रक्रिया वित्त विभाग द्वारा अगस्त–सितम्बर में शुरू कर दी जाती है।
- इसके लिए बजट सर्कुलर जारी किया जाता है।
- जब सरकार को राजस्व से होने वाली आय का आँकड़ा सरकार के खर्चे से अधिक होता है तब वह अधिशेष बजट कहलाता है।

89. व्यापक मुद्रा की माप किसके द्वारा होती है ?
By which the broad money is measured through ?

(A) M_1 (B) M_2
(C) M_3 (D) M_4

89. (C)
- व्यापक मुद्रा की माप M_3 के द्वारा होती है।
- भारतीय रिजर्व बैंक मुद्रा की पूर्ति की वैयक्तिक मापों को चार रूपों में प्रकाशित करता है।
- M_1, M_2, M_3 व M_4 वैकल्पिक मापों के चार रूप हैं।
- M_1 व M_2 संकुचित मुद्रा कहलाती हैं।
- M_3 व M_4 व्यापक मुद्रा कहलाती हैं।
- M_1 संव्यवहार के लिए सबसे सरल और आसान है जबकि M_4 इसमें सबसे कम तरल है।

90. उपभोग कर लगाने की सिफारिश की थी –
Consumption tax was recommended :
(A) ए. एम. खुसरो/A. M. Khusro
(B) ए. के. सेन/A. K. Sen
(C) काल्डोर/Kaldor
(D) जे. आर. हिक्स/J. R. Hicks

90. (C)
- काल्डोर नामक अर्थशास्त्री द्वारा 34 उपभोग कर लगाने की सिफारिश की गई थी।
- व्यापार चक्र की व्याख्या करने हेतु एन. काल्डोर ने स्टॉक समायोजन सिद्धांत का प्रतिपादन किया था।
- काल्डोर के सिद्धांत में निवेश और बचत चक्रीय परिवर्तन में एक प्रमुख भूमिका निभाता है।
- काल्डोर के सिद्धांत में निवेश सीधे आय के स्तर से संबंधित है।
- पूँजी उत्पादन अनुपात पर आधारित निवेश का एक सिद्धांत है।

91. विकुंचित–माँग वक्र सिद्धांत का प्रतिपादन किस अर्थशास्त्री द्वारा किया गया था ?
Principle of Kinked demand curve was introduced by the economist called :
(A) काल्डोर/Kaldor
(B) चैम्बरलिन/Chamberlin
(C) पाल एम.स्वीजी/Paul M. Sweezy
(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

91. (C)
- विकुंचित–माँग वक्र सिद्धांत का प्रतिपादन पाल. एम. स्वीजी नामक अर्थशास्त्री द्वारा किया गया है।
- विकुंचित माँग वक्र परिकल्पना अल्पाधिकार में कीमत निर्धारण की व्याख्या नहीं करता था।
- विंकुचित माँग वक्र परिकल्पना यह बताती है कि अल्पाधिकारी किस माँग का सामना करता है।
- विकुंचित माँग का सिद्धांत बिना गठबन्धन के अल्पाधिकार के अन्तर्गत कीमत दृढ़ता की व्याख्या करता है।
- विकुंचित माँग सिद्धांत कीमत दृढ़ता को एक पूर्ण व्याख्या नहीं देता है।

92. जब श्रम बाजार में क्रेता एकाधिकार तथा वस्तु बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता हो तो सन्तुलन स्थिति में क्रेता एकाधिकारिक शोषण के बीच अन्तर होता है –
When there is monopsony in labour market and perfect competition in product market, the monopsony exploitation in the equilibrium situation is the difference between :
(A) सीमान्त उत्पादन के मूल्य और सीमान्त आय/VMP and MRP
(B) औसत आय उत्पादन और सीमान्त आय उत्पादन/ARP and MRP
(C) सीमान्त मजदूरी और औसत मजदूरी/MW and AW
(D) सीमान्त मजदूरी और सीमान्त आय उत्पादन/MW and MRP

92. (C)
- जब श्रम बाजार में क्रेता एकाधिकार तथा वस्तु बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता हो, तो सन्तुलन स्थिति में क्रेता एकाधिकार शोषण के बीच सीमांत मजदूरी तथा औसत मजदूरी में अन्तर होता है।
- एकाधिकार को एक बाजार की स्थिति द्वारा दर्शाया जाता है।
- बाजार में प्रतियोगिता का अभाव एकाधिकार की मुख्य विशेषता है।
- वह कार्य जो एक व्यक्ति द्वारा एक वर्ष में कम-से-कम 183 दिन से कम दिन काम करता है। सीमान्त मजदूरी कहलाती है।
- औसत श्रम लागत, जो श्रमिकों की कुल संख्या से विभाजित कुल मजदूरी भुगतान है।

93. भारत में टेलीकॉम की नियामक संस्था कौन–सी है ?
Which is the regulatory body of telecom in India ?
(A) TRAI (B) SEBI
(C) HTML (D) BSNL

93. (A)
- TRAI भारत में टेलीकॉम की नियामक संस्था है।
- TRAI का पूरा नाम भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण है।
- TRAI की स्थापना 20 फरवरी, 1997 को भारत सरकार द्वारा की गई।
- TRAI का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- ट्राई के वर्तमान अध्यक्ष डॉ. जे. एस. शर्मा. हैं।
- TRAI का मुख्य उद्देश्य भारत में दूरसंचार पर नियंत्रण रखना है।

94. 1944 के ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में किस अंतर्राष्ट्रीय संस्था का जन्म हुआ ?
Which international organisation was formed at the Bretton Woods Conference of 1944 ?
(A) विश्व व्यापार संगठन/WTO
(B) विश्व बैंक/World Bank
(C) अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ/IDA
(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

94. (B)
- 1944 के ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में विश्व बैंक जैसी अन्तर्राष्ट्रीय संस्था का जन्म हुआ।
- इस सम्मेलन को आधिकारिक तौर पर संयुक्त राष्ट्र मौद्रिक और वित्तीय सम्मेलन के रूप में जाना जाता है।
- 1 से 22 जुलाई, 1944 तक 44 देशों के प्रतिनिधि इस सम्मेलन में शामिल हुये थे।
- विश्व बैंक का मुख्यालय वाशिंगटन डी. सी. संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित है।
- विश्व व्यापार संगठन की स्थापना 1995 में की गई तथा इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैण्ड में स्थित है।
- अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ की स्थापना 24 सितम्बर, 1960 को हुई तथा इसका मुख्यालय वाशिंगटन डी. सी. यू. एस. ए. में स्थित है।

95. खुले बाजार की क्रियायें सम्बद्ध हैं–
Open market operations refers to :
(A) रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया से अनुसूचित बैंकों द्वारा उधार लेना/Borrowing by scheduled banks from the RBI
(B) अनुसूचित बैंकों द्वारा उद्योग और व्यापार को उधार देना/Lending by scheduled bank industry and trade
(C) रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया के द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों के क्रय और विक्रय/Purchase and sale of government securities by the RBI
(D) जमा को जुटाना/Deposit mobilisation

95. (C)
- खुले बाजार की क्रियाएँ रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया के द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों क्रय और विक्रय से संबंध हैं।
- खुला बाजार परिचालन धन की कुल मात्रा को विनियमित या नियंत्रित करने के लिए बनाया गया है।
- खुले बाजार की क्रियाएँ साख नीति का अंग हैं।
- भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना 1 अप्रैल, 1935 को की गई।
- यह बैंक भारत का केन्द्रीय बैंक है।
- भारतीय रिजर्व बैंक का मुख्यालय मुम्बई में स्थित है।
- इस बैंक के वर्तमान अध्यक्ष शक्तिकांत दास हैं।

96. पूँजी पर्याप्तता अनुपात अथवा जोखिम भारित परिसम्पत्ति अनुपात है–
Capital Adequacy Ratio (CAR) Capital to Risk weighted Assets Ratio (CRAR) is :

(A) $\frac{\text{कुल पूँजी फन्ड}}{\text{जोखिम भारित परिसम्पत्तियाँ}} \times 100$

$\frac{\text{Capital Fund}}{\text{Risk weighted Assets}} \times 100$

(B) $\frac{\text{जोखिम भारित परिसम्पत्तियाँ}}{\text{कुल पूँजी फन्ड}} \times 100$

$\frac{\text{Risk weighted Assets}}{\text{Capital Fund}} \times 100$

(C) $\frac{\text{जोखिम भारित पूँजी फन्ड}}{\text{जोखिम भारित परिसम्पत्तियाँ}} \times 100$

$\frac{\text{Risk weighted Capital Fund}}{\text{Risk weighted Assets}} \times 100$

(D) इनमें से कोई नहीं/None of the above

96. (A) • $\left[\frac{\text{कुल पूँजी फन्ड}}{\text{जोखिम भारित परिसम्पत्तियाँ}} \times 100\right]$

पूँजी पर्याप्तता अनुपात तथा जोखिम भारतीय परिसम्पत्ति का अनुपात है।
- यह दर प्रतिशत के रूप में प्राप्त की जाती है।
- RBI तथा BASEL; जैसे– मानदंड, बैंकों के लिए पूँजी पर्याप्तता अनुपात प्रदान करते हैं।
- बैसेल मानक बैंकिंग क्षेत्र से संबंधित हैं।
- यह मानक सन् 1980 में स्विट्जरलैण्ड के बेसल शहर से शुरू किया गया था।
- अब तक बेसल मानक के तीन समझौते अस्तित्व में आ चुके हैं।

97. श्रेणी को दो बराबर भागों में बाँटने वाला माप है–
The measurement is divide the series into two equal parts :

(A) माध्य/Mean

(B) माध्यिका/Median

(C) बहुलक/Mode

(D) माध्य विचलन/Mean deviation

97. (B) • माध्यिका श्रेणी को दो बराबर भागों में बाँटने वाला माप है।
- माध्यिका एक वह संख्या है जो दी गयी संख्याओं के बिल्कुल बीच में आती है।
- इसका कार्य यह होता है कि यह समूह के बड़े तथा छोटे भाग को अलग करती है।
- माध्यिका निकालने का सूत्र $\left[\text{माध्यिका} = \left(\frac{n+1}{2}\right)^{th}\right]$ होता है।
- सांख्यिकी में किसी दिये हुये आँकड़ों में जो मान सबसे अधिक बार आता है, उसे बहुलक कहते हैं।
- माध्य वह मान होता है जो सभी मूल्यों के योग को कुल प्रेक्षणों की संख्या से विभाजित करने पर प्राप्त होता है।
- माध्य विचलन, जो किसी वितरण या प्रतिदर्श के मध्यमान से व्यक्तिगत प्राप्तांकों के विचलनों का औसत होता है।

98. भारत में कृषि क्षेत्र के लिए वित्त की शीर्ष (सर्वोच्च) संस्था है –
Apex institution of finance for agriculture sector in India is :

(A) एस.बी.आई./SBI

(B) नाबार्ड/NABARD

(C) आई.डी.बी.आई./IDBI

(D) सिडबी/SIDBI

98. (B) • नाबार्ड भारत में कृषि क्षेत्र के लिए वित्त की सर्वोच्च संस्था है।
- नाबार्ड की स्थापना शिवरामन समिति के आधार पर की गई।
- नाबार्ड का पूरा नाम "नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एण्ड रूरल डेवलपमेंट" है।
- नाबार्ड एक बैंक है जो ग्रामीण कृषि क्षेत्र के विकास के लिए बनी है।
- NABARD की स्थापना 12 जुलाई, 1982 को की गई थी।
- NABARD का मुख्यालय महाराष्ट्र मुंबई में स्थित है।

99. बेसल समझौता सम्बन्धित है–
The 'BASEL' accords is related to :

(A) बीमा क्षेत्र/Insurance Sector

(B) बैंकिंग क्षेत्र/Banking Sector

(C) सेवा क्षेत्र/Services Sector

(D) वस्तु बाजार/Commodity Market

99. (B) • बेसल समझौता बैंकिंग क्षेत्र से संबंधित है।
- रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बेसल कमेटी के द्वारा 1988 में बेसल समझौते का आरम्भ किया।
- बेसल मानक एक अन्तर्राष्ट्रीय मानक है।
- यह मानक सन् 1980 में स्विट्जरलैण्ड के बेसल शहर से शुरू किया गया था।
- बेसल मानक एक वैश्विक स्तर पर बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाओं को अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप देने के लिए शुरू किया गया था।
- अब तक बेसल मानक के तीन समझौते अस्तित्त्व में आ चुके हैं।

100. करों का उद्देश्य क्या है ?
What are the objectives of Taxation ?

(A) कर एक अनिवार्य भुगतान है/Taxation is necessary payment

(B) अर्थव्यवस्था का नियमन/Regulatory of economy

(C) उत्पादन में वृद्धि/Increasing of production

(D) अर्थव्यवस्था में संतुलन/Balance in economy

100. (B) • अर्थव्यवस्था का नियमन करना करों का उद्देश्य है।
- जे. बी. से का बाजार नियम अर्थव्यवस्था का नियमन कहलाता है।
- किसी राज्य द्वारा व्यक्तियों या विविध संस्था से जो धन लिया जाता है, उसे कर कहते हैं।
- जे. बी. से का बाजार नियम 'पूर्ति अपनी माँग का स्वयं निर्माण करती है।'
- जे. बी. से का बाजार नियम इस मान्यता पर आधारित है कि बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता पाई जाती है।

101. वर्जन का सिद्धान्त किस वस्तु पर लागू होता है ?
In which commodities principles of exclusion enforced ?

(A) निजी वस्तु/Private goods

(B) सार्वजनिक वस्तु/Public goods

(C) मेरिट (श्रेष्ठ) वस्तु/Merit goods

(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

101. (A) • वर्जन का सिद्धांत निजी वस्तु पर लागू होता है।
- वे वस्तुएँ जिन्हें कीमत प्रणाली या बाजार व्यवस्था के माध्यम से सन्तुष्ट किया जा सकता है, निजी वस्तु कहलाती हैं।
- निजी वस्तुओं का उत्पादन बाजार सिद्धांत तथा व्यावसायिक कुशलता के आधार पर किया जाता है।
- आवश्यकताओं को संतुष्ट करने के लिए जिन वस्तुओं व सेवाओं का उत्पादन किया जाता है, उन्हें सार्वजनिक वस्तु कहते हैं।

102. निम्न में से कौन-सा समीकरण समान्तर माध्य, माध्यिका और बहुलक के बीच सही सम्बन्ध प्रदर्शित करता है ?

Which of the following equation indicate the correct relationship among mean, median and mode ?

(A) $M = 3\overline{X} - 2Z$

(B) $\overline{X} = 2Z - 3M$

(C) $Z = 3M - 2\overline{X}$

(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

102. (B) • $\overline{X} = 2Z - 3M$ समीकरण समान्तर माध्य, माध्यिका और बहुलक के बीच सही संबंध प्रदर्शित करता है।

• गणित एवं सांख्यिकी में समांतर माध्य नमूने के आँकड़ों की केन्द्रीय प्रवृत्ति की एक गणितीय माप है।

• माध्यिका वह संख्या है जो दी गयी संख्याओं के बिल्कुल बीच में आती है।

• सांख्यिकी में (दिये गये आँकड़े में) जो मान सबसे अधिक बार आता है, उसे बहुलक कहते हैं।

103. रिकार्डो के अनुसार, दो देशों के बीच व्यापार के लिए किस प्रकार का लागत अन्तर आवश्यक है ?

According to Ricardo which type of cost difference is necessary for trade between two countries ?

(A) निरपेक्ष लागत अन्तर/Absolute cost difference

(B) तुलनात्मक लागत अन्तर/Comparative cost difference

(C) समान लागत अन्तर/Equal cost difference

(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

103. (B) • रिकॉर्डो के अनुसार, दो देशों के बीच व्यापार के लिए तुलनात्मक लागत अन्तर आवश्यक है।

• तुलनात्मक लागत का सिद्धांत विभिन्न देशों में समान वस्तुओं की उत्पादन लागत में अंतर पर आधारित है।

• रिकार्डो के अनुसार, यह अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार है।

• अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार तीन प्रकार का होता है – निर्यात व्यापार, आयात व्यापार, ऐट्रपोर्ट ट्रेड

• अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार उन व्यावसायिक गतिविधियों को संदर्भित करता है जो किसी देश की भौगोलिक सीमाओं से परे होती हैं।

104. सार्वजनिक व्यय को क्षतिपूरक व्यय के रूप में प्रयोग किया जाता है–

Public expenditure is used as a compensatory expenditure in :

(A) तेजीकाल में/Period of prosperity

(B) मन्दीकाल में/Period of depression

(C) दोनों कालों में/Both periods

(D) सामान्य अवधि में/Normal period

104. (B) • मन्दीकाल में सार्वजनिक व्यय को क्षतिपूरक व्यय के रूप में प्रयोग किया जाता है।

• जब विश्व स्तर पर सेवा और उत्पादन में कमी हो जाये तथा घरेलू उत्पादन और खपत तीन महीनों के सबसे निचले स्तर पर पहुँच जाये तो ये आर्थिक मंदी कहलाती है।

• जब किसी देश की केन्द्रीय, राज्य तथा स्थानीय सरकारें अपने प्रशासन व आर्थिक विकास के लिए खर्चे करें तब यह सार्वजनिक व्यय कहलाता है।

• सार्वजनिक शब्द का अर्थ, आय प्राप्त करना तथा व्यय करना है।

105. कर–विवर्तन हो सकता है–

Tax-shifting may be :

(A) आगे की ओर/Forward

(B) पीछे की ओर/Backward

(C) दोनों ओर/Both side

(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

105. (C) • कर-विवर्तन आगे तथा पीछे दोनों ओर हो सकता है।

• कर-विवर्तन वह क्रिया है जिसके द्वारा कर का आंशिक या कुल भार एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति पर टाला जाता है।

• कर-विवर्तन दो प्रकार का होता है– आगे की ओर विवर्तन, पीछे की ओर विवर्तन

• सर हैमिल्टन के अनुसार, प्रसार के सिद्धांत में कदाचित आशावादी सिद्धांत से भी अधिक सच्चाई है।

• पूर्ण प्रतियोगी बाजार में कर-विवर्तन लगता है।

106. 'माँग का नियम' कहता है–

The 'law of demand' says :

(A) कीमत वृद्धि से माँग बढ़ती है/Demand increases with increase in price

(B) कीमत वृद्धि से माँग घटती है/Demand decreases with increase in price

(C) माँग वृद्धि से कीमत बढ़ती है/Price increases with increase in demand

(D) पूर्ति में वृद्धि से माँग बढ़ती है/Demand increases with increase in supply

106. (B) • माँग का नियम कहता है कि कीमत वृद्धि से माँग घटती है।

• माँग का नियम एक गुणात्मक कथन पर आधारित है।

• माँग का नियम उपभोक्ता की प्राथमिकता पर आधारित है।

• किसी दिये गये समय में दिये हुये मूल्य पर कोई उपभोक्ता बाजार में किसी वस्तु की जो विभिन्न मात्रायें क्रय करता है। उसे वस्तु की माँग कहते हैं, जिसे माँग का नियम कहते हैं।

• माँग के तीन प्रकार होते है। – मूल्य माँग, आय माँग, तिरछी माँग

• माँग की कमी से किसी वस्तु की कीमत सीधे तौर पर प्रभावित होती है।

107. प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य (RCH) – II प्रारम्भ किया गया –

Reproductive and Child Health (RCH)–II was started from :

(A) अप्रैल 2004 / April 2004

(B) अप्रैल 2006 / April 2006

(C) अप्रैल 2005 / April 2005

(D) अप्रैल 2007 / April 2007

107. (C) • प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य–II कार्यक्रम् अप्रैल, 2005 में प्रारम्भ किया गया।

• अपने समान जीवों की उत्पत्ति या संतानोत्पत्ति के गुण को ही प्रजनन कहते हैं।

• इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाओं में गुणवत्ता एवं प्रभावी सुधार लाना है।

• आर. सी. एच. की विशेषता माँग पर आधारित है।

108. निम्नलिखित में से कौन–सी शर्त उत्पादन साधनों के न्यूनतम लागत संयोग को प्रदर्शित करती है ?

Which of the following condition shows least cost combination of production factors ?

(A) $\frac{P_L}{P_K} = MRTS_{LK}$

(B) $\frac{P_L}{P_K} = \frac{MP_L}{MP_K}$

(C) $\frac{MP_L}{MP_K} = \frac{dK}{dL}$

(D) उपरोक्त सभी/All of the above

108. (B) • $\frac{P_L}{P_K} = \frac{MP_L}{MP_K}$ शर्त उत्पादन साधनों के न्यूनतम लागत संयोग को प्रदर्शित करती है।

- एक उत्पादक साधनों का प्रयोग करते हुये साम्य की स्थिति में तब होगा जब वह न्यूनतम लागत संयोग का प्रयोग करते हुये अपने लाभ को अधिकतम करने की स्थिति में हो जाये।
- साधन कीमत रेखा तथा समोत्पाद वक्र का स्पर्श बिन्दु ही न्यूनतम लागत संयोग को बताता है।
- संतुलन के बिन्दु पर तकनीकी सीमान्त प्रतिस्थापन दर साधनों की कीमत अनुपात के बराबर होनी चाहिए।

109. डाल्टन के अनुसार, करदान क्षमता का कौन–सा रूप उपयोगी है ?

According to Dalton, which forms of taxable capacity is useful ?

(A) निरपेक्ष करदान क्षमता/Absolute taxable capacity

(B) सापेक्ष करदान क्षमता/Relative taxable capacity

(C) (A) और (B) दोनों/Both (A) and (B)

(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

109. (B) • डाल्टन के अनुसार, करदान क्षमता का सापेक्ष रूप उपयोगी है।

- डाल्टन प्रयोगशाला योजना शिक्षण का एक रूप है।
- यह योजना सन् 1919 में हेलेन पार्कहर्स्ट द्वारा विकसित की गई थी।
- इस योजना में बालक के साथ एक समझौता किया जाता है जिसके अनुसार बालक को एक निश्चित समय में निश्चित कार्य को सम्पन्न करना होता है।

110. घर्षणात्मक बेरोजगारी उत्पन्न होती है–

Frictional unemployment exists :

(A) जब वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद घटे/When there is a decrease in GDP

(B) जब कोई प्रथम बार श्रम शक्ति में जुड़ता है तो उसे काम मिलने में समय लगता है/Because it takes time to get job when one is first entering labour force

(C) तकनीकी परिवर्तन के परिणामस्वरूप/As a result of technological charges

(D) जब एक व्यक्ति सेवा निवृत्त हो जाए/When an individual retires

110. (B) • जब कोई व्यक्ति प्रथम बार श्रम शक्ति में जुड़ता है तो उसे काम मिलने में समय लगता है। जिसे घर्षणात्मक बेरोजगारी कहते हैं।

- बेरोजगारी एक वह अवस्था है जिसमें कोई व्यक्ति काम के अभाव के कारण बिना काम के रह जाते हैं।
- भारत में बेरोजगारी की गणना के तीन स्त्रोत हैं।
- बेरोजगारी से देश में राष्ट्रीय उत्पादन की मात्रा कम हो जाती है।
- भारत में बेरोजगारी विभिन्न प्रकार की पाई जाती है; जैसे–मौसमी बेरोजगारी, खुली, अदृश्य, अल्प, संरचनात्मक आदि हैं।
- अदृश्य बेरोजगारी कृषि क्षेत्र में पाई जाती है।

111. सूत्र में $R = 1 - \frac{6\Sigma D^2}{N(N^2-1)}$, 'D' प्रकट करता है–

In the formula $R = 1 - \frac{6\Sigma D^2}{N(N^2-1)}$, 'D' stands for :

(A) विचलन/Deviation

(B) दो कोटि का अन्तर/Difference of two ranks

(C) सह–सम्बन्ध गुणांक/Co-efficient of correlation

(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

111. (B) सूत्र में $R = 1 - \frac{6\Sigma D^2}{N(N^2-1)}$, में D दो कोटि का अन्तर प्रकट करता है।

112. तटस्थता वक्र की कौन–सी विशेषता नहीं है ?

Which one is not the characteristics in difference curve ?

(A) बायें से दायें नीचे की ओर गिरना/Falling from left to right

(B) अक्षों को स्पर्श न करना/Should not touch the axis

(C) एक–दूसरे को नहीं काटना/Never intersect each other

(D) लम्बवत् रेखा होना/Vertical line

112. (D) • लम्बवत् रेखा होना तटस्थता वक्र की विशेषता नहीं है।

- तटस्थ मुद्रा का एक रेखिक वक्र में निरूपण तटस्थ वक्र कहलाता है।
- तटस्थ मुद्रा का संबंध मौद्रिक नीति से समझा जा सकता है।
- तटस्थ मुद्रा नीति से समाज के सभी वर्गों को औद्योगिक प्रवृत्ति का लाभ मिलता है।
- तटस्थ मुद्रा शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग हेयक नामक अर्थशास्त्री द्वारा किया गया था।

113. द्वय अन्तराल मॉडल में दो अन्तरालों का तात्पर्य है–

In 'dual gap' model, the two gaps refer to :

(A) मुद्रास्फीतिकारी अन्तराल एवं निवेश अन्तराल/Inflationaly gap and investment gap

(B) बचत अन्तराल एवं अपस्फीतिकारी अन्तराल/Savings gap and deflational gap

(C) बचत बाध्यता एवं विदेशी मुद्रा बाध्यता/Savings constraint and foreign exchange constraint

(D) निवेश अन्तराल एवं बचत अन्तराल/Investment gap and savings gap

113. (C) • दो द्वय अन्तराल मॉडल में बचत बाध्यता एवं विदेशी मुद्रा बाध्यता इन दो अन्तरालों का तात्पर्य है।

- दो अन्तराल मॉडल हैरोड – डोमर का विस्तार रूप है।
- इसके अनुसार, कम विकसित देशों का विकास दो अंतरालों की उपस्थिति के कारण बाधित है।
- इसका कारण घरेलू बचत और निवेश के बीच अंतर, जहाँ घरेलू बचत विकास के स्तर का समर्थन करने के लिए अपर्याप्त है।

114. एक तटस्थता वक्र पर विभिन्न संयोग दर्शाते हैं–

Difference coincidences on an indifference curve show :

(A) अधिकतम संतुष्टि/Maximum satisfication

(B) समान संतुष्टि/Same satisfication

(C) ऊपरी बिन्दु पर अधिक सन्तुष्टि/Greater satisfication at upper point

(D) ऊपरी बिन्दु पर कम सन्तुष्टि/Less satisfication at lower point

114. (D) तटस्थता वक्र पर विभिन्न संयोग समान संतुष्टि दर्शाते हैं। तटस्थता वक्रों का सबसे पहले प्रयोग सन्तुष्टि स्तर के लिये एजवर्थ ने किया था, परन्तु पश्चातवर्ती समय 1906 संतुष्टि स्तर का विश्लेषण और अधिक वास्तुपरक अर्थशास्त्री परेटो द्वारा किया गया, परन्तु परेटो के बाद हिक्स और एलेन ने तटस्थता वक्रों का प्रयोग बड़े पैमानों पर लोकप्रिय बनाया था।

115. एकाधिकार शक्ति की कोटि को सूत्र द्वारा मापा जा सकता है –

The degree of monopoly power can be measured by the formula :

(A) $\frac{P - MC}{P}$ (B) $\frac{AR}{AR - MR}$

(C) $\frac{AR}{AR - MR}$ (D) $\frac{AR - MR}{AR}$

115. (A) • एकाधिकार शक्ति की कोटि को $\frac{P - MC}{P}$ सूत्र से मापा जाता है।

- यदि एक निश्चित फर्म केवल एकमात्र ऐसा है जो एक निश्चित अच्छा उत्पादन कर सकती है, तो उसके लिए बाजार में एकाधिकार है।
- एकाधिकार को एक बाजार की स्थिति द्वारा दर्शाया जाता है।
- बाजार में प्रतियोगिता का अभाव एकाधिकार की मुख्य विशेषता है।
- रॉबिन्सन द्वारा प्रतिपादित एकाधिकार शक्ति की माप है।

116. भारत में किस प्रकार की वित्त व्यवस्था पायी जाती है ?

Which financial system is found in India ?

(A) स्वतन्त्र वित्त व्यवस्था/Free finance system

(B) संघीय वित्त व्यवस्था/Federal finance system

(C) एकाकी वित्त व्यवस्था/Unitary finance system

(D) स्थानीय वित्त व्यवस्था/Local finance system

116. (B) • भारत में संघीय वित्त व्यवस्था पाई जाती है।

- वित्त व्यवस्था से तात्पर्य है कि ऐसी व्यवस्था जिसमें व्यक्तियों, वित्तीय संस्थाओं, बैंकों तथा सरकार द्वारा वित्त की माँग होती है।
- भारतीय वित्त व्यवस्था के दो पक्ष हैं– माँग पक्ष एवं आपूर्ति पक्ष।
- एक वित्तीय प्रणाली वित्तीय क्षेत्र में एक मध्यस्थ के रूप में कार्य करती है।
- वित्त शब्द को हमारे समकक्ष 'मनी' के रूप में माना जाता है।
- वित्तीय बाजार को दो भागों में बाँटा गया है–प्राथमिक बाजार एवं गौण बाजार।

117. व्यावसायिक बैंक साख का निर्माण करते हैं–

Commercial Banks create credit :

(A) कुछ भी नहीं/Out of nothing

(B) अपनी प्रतिभूतियों के आधार पर/On the basis of their securities

(C) अपनी कुल परिसम्पत्तियों के आधार पर/On the basis of their total assets

(D) अपनी नकद जमा के आधार पर/On the basis of their cash deposits

117. (D) • व्यावसायिक बैंक साख का निर्माण अपनी नकद जमा के आधार पर करते हैं।

- वाणिज्य बैंक उन बैंकों को कहते हैं जो धन जमा करने तथा ऋण देने हेतु काम करते हैं।
- व्यापारिक बैंक के मुख्य तीन कार्य होते हैं–मुख्य कार्य, गौण कार्य तथा सहायक कार्य।
- व्यापारिक बैंक का मुख्य कार्य दो भागों में विभाजित हैं–जमा स्वीकार करना तथा ऋण देना।

118. निम्न समंकों से प्रमाप विचलन ज्ञात कीजिए –

Using the following data, find the standard deviation :

$\overline{X} = 6, \Sigma X = 60, \Sigma X^2 = 1000$

(A) 4 (B) 6

(C) 8 (D) 10

118. (C) Given to as,

$\overline{X} = 6, \Sigma X = 60, \Sigma X^2 = 1000$

To find,

$$\sigma = \sqrt{\frac{\Sigma X^2}{n} - \left(\frac{\Sigma X}{n}\right)^2}$$

$$= \sqrt{\frac{1000}{10} - \left(\frac{60}{10}\right)^2}$$

$$= \sqrt{100 - \frac{3600}{100}}$$

$$= \sqrt{100 - 36}$$

$$= \sqrt{64}$$

$$= 8$$

119. कैनकुन सम्मेलन, 2010 में हरित जलवायु कोष (GCF) की स्थापना की गई, परन्तु इसका विचार प्रारम्भ हुआ –

The Green Climate Fund (GCF) was established in Cancun Summit, 2010 but thought of it began in :

(A) बाली सम्मेलन, 2007 में/Bali Summit 2007

(B) यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेन्ज (UNFCCC), 1992 में/United Nations Framework Convention on Climate Change, 1992

(C) कोपेनहेगन सम्मेलन, 2009 में/Copenhegen Summit, 2009

(D) इनमें से कोई नहीं/None of the above

119. (C) • कैनकुन सम्मेलन, 2010 में हरित जलवायु कोष की स्थापना की गई, परन्तु इसका विचार कोपेनहेगन सम्मेलन, 2009 में प्रारम्भ हुआ था।

- कैनकुन सम्मेलन का आयोजन संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन के लिए किया गया था।
- इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन पर एक नवीन संधि के लिए सर्वसम्मति कायम करना है।
- इस सम्मेलन का आयोजन मैक्सिको में किया गया था।
- इस सम्मेलन में पेड़ों की कटाई रोकने के लिए कदमों का प्रावधान है।

120. मुद्रा स्फीति लाभदायक है–

Inflation is profitable for :

(A) सरकार के लिये/Government

(B) उपभोक्ता के लिये/Consumer

(C) उत्पादक के लिये/Producer

(D) निवेशक के लिये/Investor

120. (C) • मुद्रा स्फीति उत्पादक के लिए लाभदायक है।

- उपलब्ध पूर्ति से माँग अधिक होती है यह तथ्य स्फीति से सम्बन्धित है।
- मुद्रास्फीति वह दर होती है जिस पर मुद्रा की वैल्यू गिरती है और इसके परिणामस्वरूप वस्तुओं एवं सेवाओं के लिए मूल्य के स्तर में बढ़ोतरी होती है।
- मुद्रा स्फीति को तीन प्रकार में विभाजित किया गया है– डिमांड पुल इन्फ्लेशन, फास्ट इन्फ्लेशन तथा विल्ट इन इन्फ्लेशन।
- सर्वाधिक प्रयोग में आने वाली मुद्रास्फीति, कंज्यूमर, प्राइस इंडेक्स तथा थोक मूल्य सूचकांक है।

121. सांख्यिकी समंकों का मुख्य लक्षण है –

Important features of statisfical data :

(A) समंक संख्यात्मक रूप से प्रस्तुत किया जाता है/Statistics are numerically expressed

(B) समंक तथ्यों के समूह हैं/Statistics are aggregate of facts

(C) समंकों को अनुमान द्वारा एकत्र किया जाता है/Statistics are collected by estimation

(D) उपर्युक्त सभी/All of the above

121. (D) • सांख्यिकी समंकों का मुख्य लक्षण समंक संख्यात्मक रूप से प्रस्तुत किया जाता है।
• सांख्यिकी समंकों को समंक तथ्यों के समूह के द्वारा भी प्रस्तुत किया जाता है।
• सांख्यिकी समंकों को समंकों के अनुसार, एकत्र किया जाता है।
• सांख्यिकी समंक वे संख्या हैं जो परिशुद्धता के उचित स्तर के अनुसार, पूर्व–निर्धारित उद्देश्य के लिए व्यवस्थित ढंग से संकलित कर अंकों में व्यक्त किये जाते हैं।
• सांख्यिकी की सहायता से देश में अशिक्षा, अपराध, बेकारी, आदि की समस्या सम्बन्धी जानकारी प्राप्त की जाती है।

122. जब तक सीमान्त उत्पादन बढ़ता है तब तक कुल उत्पादन –
When marginal production increases then total production :
(A) बढ़ती दर से बढ़ता है/Increases by increasing rate
(B) स्थिर रहता है/is neutral
(C) घटती दर से बढ़ता है/Decreases by increasing rate
(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

122. (A) • जब तक सीमान्त उत्पादन बढ़ता है तब तक कुल उत्पादन बढ़ती दर से बढ़ता है।
• जब सीमान्त उपयोगिता शून्य होती है तब कुल उपयोगिता अधिकतम होती है।
• सम–सीमान्त उपयोगिता नियम गॉसन का द्वितीय नियम कहलाता है।
• सीमान्त उपयोगिता अर्थशास्त्र में लाभ जो एक उपभोक्ता को किसी वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई खरीदने से प्राप्त होता है।

123. मजदूरी सिद्धांत में किसका प्रतिपादन प्रो. वाकर द्वारा किया गया ?
Which of the following theory of wages was propounded by Prof. Walker ?
(A) जीवन निर्वाह सिद्धांत/Subsistence theory
(B) जीवन स्तर का सिद्धांत/Standard of living theory
(C) मजदूरी कोष सिद्धांत/Wage fund theory
(D) अवशेष अधिकारी सिद्धांत/Residual claimant theory

123. (D) • मजदूरी सिद्धान्त में अवशेष अधिकार सिद्धान्त का प्रतिपादन प्रो. वाकर द्वारा किया गया है।
• इस सिद्धान्त के अनुसार, मजदूरी एक उद्यमी के मूल्य के अनुमान पर आधारित होती है।
• मजदूर की मजदूरी का निर्धारण उसकी माँग तथा पूर्ति की सापेक्षिक शक्तियों से होता है।
• जीवन निर्वाह सिद्धान्त यह है कि श्रमिकों को मजदूरी केवल जीवन–निर्वाह के स्तर को बनाए रखने के लिए नहीं दी जानी चाहिए, बल्कि मजदूरी की दर कम–से–कम इतनी दी जानी चाहिए कि वह अपने रहन–सहन के स्तर को भी बनाये रखे।
• मजदूरी कोष सिद्धान्त का प्रतिपादन प्रो. वेग कण्ड ने किया था।
• इस सिद्धान्त के अनुसार, मजदूरी कोष निश्चित होने के कारण मजदूरी दर श्रमिकों की संख्या पर निर्भर करती है।

124. मुद्रा पूर्ति में वृद्धि के फलस्वरूप होता है –
An increase in money supply leads to :
(A) IS वक्र दाहिनी तरफ खिसक जाती है/ rightward shift of IS curve
(B) IS वक्र बायीं तरफ खिसक जाती है/ leftward shift of IS curve
(C) LM वक्र बायीं तरफ खिसक जाती है/ leftward shift of LM curve
(D) LM वक्र दायीं तरफ खिसक जाती है/ rightward shift of LM curve

124. (D) • मुद्रा पूर्ति में वृद्धि के फलस्वरूप होता है कि LM वक्र दायीं तरफ खिसक जाती है।
• मुद्रा पूर्ति वह मुद्रा है जो जनता के पास तथा व्यापारिक बैंकों में माँग जमा के रूप में विद्यमान है।
• मुद्रा आपूर्ति किसी अर्थव्यवस्था में किसी समय पर उपलब्ध पूरी मुद्रा की मात्रा होती है।
• M_1, M_2, M_3, M_4 नामक घटक मुद्रा पूर्ति के मापक हैं।
• M_1 मुद्रा पूर्ति में सबसे अधिक तरल माप है।

125. यदि MPC = 0.5, तो गुणक (k) का मान होगा –
If MPC = 0.5, the multiplier (k) will be :
(A) $\frac{1}{2}$ (B) 5
(C) शून्य/Zero (D) 2

125. (D) दिया है, MPC = 0.5, k = ?
गुणक,
$$k = \frac{1}{1 - \text{MPC}}$$
$$k = \frac{1}{1 - 0.5}$$
$$k = \frac{10}{5}$$
$$\boxed{k = 2}$$

❑❑